हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 30 नवंबर 2025

9 महिला थाना में ग्रेनेड फेंकने के मामले में पुलिस ने सीन किया रिक्रिएट

10 सरकारी नरमा खरीद में हो रहा भ्रष्टाचार और मनमानी...

खबर संक्षेप

श्री महाशिवपुराण कथा ज्ञान यज्ञ 2 दिसंबर से

फतेहाबाद। श्री रघुनाथ मंदिर फतेहाबाद के 71वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में पूज्य चरण गीता ज्ञानेश्वर डॉ.स्वामी दिव्यानंद महाराज के पावन सानिध्य में 2 दिसंबर से 6 दिसंबर तक श्री रघुनाथ मंदिर प्रांगण में श्री महाशिवपुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उमंग सरदाना ने बताया कि रोजाना प्रातः 8:30 बजे से 10:30 बजे तक भगवान शिव अमृताभिषेक किया जाएगा, जबकि सायं 3:30 बजे से 7 बजे तक भजन प्रस्तुति व दिव्य शिव महापुराण सत्संग का आयोजन किया जाएगा।

इग्नू की परीक्षाओं को लेकर धारा 163 लगाई

फतेहाबाद। जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने जिला में इग्नू की परीक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से संपन्न करवाने व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए परीक्षा के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 के तहत धारा 163 लागू करने के आदेश जारी किये हैं। जिला में एक दिसंबर से 14 जनवरी, 2026 तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों में ये परीक्षाएं आयोजित होंगी। जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों की 500 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के हथियार ले जाने, किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति के परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा।

नशीली गोलियों सहित महिला को किया काबू

फतेहाबाद। मेडिकल नशा बेचने वालों की धरपकड़ करते हुएरतिया पुलिस ने शहर से एक महिला को नशीली दवाओं सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान नकीता पत्नी धर्मा निवासी वार्ड नं. 10, रतिया के रूप में हुई है। रतिया शहर थाना प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि थाना शहर रतिया पुलिस की टीम एएसआई प्रताप के नेतृत्व में नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

युवक 15 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान सुरतिया रोड रोड़ी क्षेत्र से एक बाइक सवार युवक को 15 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुखजीत सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान धर्मेंद्र सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान नहर पुल सुरतिया रोड रोड़ी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से बाइक सवार एक युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़ कर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया और तलाशी ली तो उसके कब्जे से 15 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

गीता जयंती महोत्सव का हवन व मंत्रोच्चारण के साथ भव्य आगाज

गीता में उल्लेखित मंत्र और श्लोक के उच्चारण से होता हर समस्या का समाधान

पूर्व विधायक को सम्मानित करते अधिकारी

गीता जयंती महोत्सव में प्रस्तुति देती छात्राएं

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

जिला स्तर पर शनिवार को पंचायत भवन में तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का हवन, मंत्रोच्चारण व दीप प्रज्वलन के साथ भव्य आगाज हुआ। गीता महोत्सव में अध्यात्म, कला, ज्ञान व संस्कृति का अनूठा संगम दिखाई दिया। गीता जयंती महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक विधा के रूप में जहां गीता ज्ञान की गंगा प्रवाहित हुई, वहीं सरकार की जनहितकारी नीतियों व योजनाओं की जानकारी लोगों तक प्रदर्शनी के माध्यम से पहुंचाई गई। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा व जिला प्रशासन फतेहाबाद की संयुक्त भागीदारी के साथ आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव का शुभारंभ फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम द्वारा किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए अन्य विभागों व धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी में समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए सामान का अवलोकन कर उनके हस्तशिल्प की तारीफ की। दुड़ाराम ने कहा कि श्रीमद्भगवत गीता जीवन पथ पर कर्मों और नियमों के साथ चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि इनका मुख्य उद्देश्य युवा वर्ग में सनातन धर्म और संस्कृति की पहचान बनाना और समाज को भगवान कृष्ण के बताए मार्ग पर चलने का संदेश देना है। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने लोगों से आह्वान किया कि वे ये संकल्प ले कि सत्य, धर्म और मानवता के रास्ते पर चलते हुए प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने का काम करेंगे।

इन विभागों व संस्थाओं ने लगाई स्टॉलें

जिला स्तरीय गीता महोत्सव में जिला रेडक्रॉस सोसायटी, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, स्वास्थ्य, बिजली, जनस्वास्थ्य, शिक्षा, बागवानी, आयुष, पशुपालन, चुनाव कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मत्स्य पालन, जिला कल्याण व समाज कल्याण, जिला उद्योग केंद्र, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, अग्रणी बैंक, हैफेड, कृषि तथा किसान कल्याण, क्रीड, जिओ गीता, अक्षय ऊर्जा, एनआरएलएम आदि ने स्टॉल लगाकर जन कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

गीता जयंती महोत्सव में कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया वहीं विद्यार्थियों द्वारा भी भव्य प्रस्तुतियां देकर लोगों की खूब तालियां बटोरी। साथ ही विभागीय कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। इसी प्रकार गीता महोत्सव के दूसरे दिन 30 नवंबर को जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी वहीं गीता पर आधारित सेमिनार का आयोजन होगा, जिसमें अलग-अलग स्थानों के प्रख्यात एवं बुद्धिजीवी विद्वान श्रीमद भगवत गीता में व्याप्त ज्ञान का बखान करेंगे।

सिरसा। गीता महोत्सव में प्रस्तुति देते कलाकार।

गीता का संदेश हर व्यक्ति के लिए उपयोगी: सुनीता दुग्गल

अंतरष्ट्रीय गीता महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 के जिला स्तरीय समारोह की शनिवार को हवन यज्ञ व मंत्रोच्चारण के साथ शुरूआत हुई। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हॉल में आयोजित चार दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार जगदीश चोपड़ा व पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने समारोह में विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जगदीश चोपड़ा ने कहा कि हरियाणा की इस पावन धरती पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। गीता का यह संदेश केवल हरियाणा या हिंदुस्तान के लिए ही नहीं, बल्कि समस्त विश्व और पूरे ब्रह्मांड के लिए एक अद्वितीय और अमूल्य है। यह ऐसा ब्रह्मसूत्र है कि यदि हम उसके एक अंश मात्र को भी अपने जीवन में धारण कर लें, तो हमारा जीवन इस धरती पर स्वर्ग के समान हो सकता है। उन्होंने कहा कि गीता का संदेश हर व्यक्ति के लिए उपयोगी है।

ये रहे मौजूद

समारोह में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव लाल बहादुर बैनीवाल, डीएसडब्ल्यूओ सत्यवान ढिलोड, उप जिला शिक्षा अधिकारी विनोद श्योराण, सतबीर सिंह, एओ प्रेम कुमार, तहसील कल्याण अधिकारी श्रवण कुमार, राजेश कुमार, सीमा गिल, सदीव सिंह, पार्षद सुमन शर्मा, जसविंदर पिंकी, संदीप चौधरी, पार्षद संदीप मेहता, हर्षद, विनोद, लेखराज सचदेवा, लखविंदर सिंह, राजीव अरोड़ा, राकेश दूआ, संस्कृत प्रवक्ता हरिओम भारद्वाज, राज शास्त्री, उषा कंबोज, आशु सहित जिला प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

सड़क उखाड़ने से लोगों को परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭| ओढां

- 5 वर्षों से चल रहे कानूनी संघर्ष का फैसला किसानों के पक्ष में

ओढ़ा व नुहियांवाली के मध्य का रास्ता बंद होने के कारण चार पहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी हो रही है। जिसकारण उन्हें 5-6 किलोमीटर की दूरी तय करके गांव घुकांवाली या सालमखेड़ा से होकर नुहियांवाली पहुंचना पडता है। जानकारी के अनुसार किसान ओमप्रकाश और मार्केटिंग बोर्ड के बीच 5 वर्षों से चल रहे कानूनी संघर्ष का फैसला 14 जुलाई 2025 को किसान के पक्ष में आया। जिसमें न्यायालय ने आदेश दिया कि मार्केटिंग बोर्ड किसान को उचित मुआवजा प्रदान करे या फिर उक्त भूमि का कब्जा उसे सौंपे। इसके बाद शुक्रवार को राजस्व विभाग, वन विभाग, मार्केटिंग बोर्ड और पुलिस बल के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किसान ओमप्रकाश को भूमि का कब्जा सौंपा दिया।

ओढां। ओढ़ा व नुहियांवाली के बीच में किसान द्वारा जेसीबी से उखाडी गई सडक़।

किसान ने भूमि वापस ली

किसान ओमप्रकाश पुत्र रामसरूप निवासी ओढ़ा ने बताया कि पिछले 35 वर्षों से मार्केटिंग बोर्ड ने उनकी 12 मरले भूमि में अवैध रूप से सडक़ बना रखी थी। न्यायालय के आदेश के बाद उन्होंने अपनी भूमि की पैमाइश करवाई, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि सडक उनकी भूमि में ही बनाई गई थी। शुक्रवार को अधिकारियों की मौजूदगी में उन्होंने जेसीबी से सडक को उखाडक़र अपनी भूमि में मिला लिया। सडक बंद होने से यातायात में दिक्कतें आ गई हैं। छोटे वाहन चालक तो खेतों के रास्तों से होकर जैसे तैसे अपने गंतव्य तक पहुंच जाते हैं जबकि चार पहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को आने वाले दिनों में भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जिले में अध्यापक लगे एसआईआर के काम में, बच्चों की पढ़ाई हो रही बाधित

- गैर शैक्षणिक कार्यों व ऑनलाइन टीचर डायरी लिखवाने का अध्यापक संघ ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

पढ़ाई के समय अब हजारों अध्यापक ट्रेनिंग और बीएलओ के काम से कक्षाओं से बाहर हैं। आगे जनगणना और एसआईआर का काम शुरू होने जा रहा है जिससे फिर से लगभग दो महीने अध्यागक गैर शैक्षिक कार्यों में लगे रहेंगे और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती रहेगी। इस काम के लिए अध्यापकों की जगह सक्षम युवाओं की ड्यूटी लगाई जाएं। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने अध्यापकों से लिए जा रहे गैर शैक्षणिक कार्यों और ऑनलाइन टीचर डायरी लिखवाने के फरमान का कड़ा विरोध किया है। अध्यापक संघ के जिला प्रधान राजपाल मिताथल, जिला सचिव देसराज माचरा, राज्य उपमहासचिव कृष्ण नैन, राज्य आडिटर सुरजीत दुसाद. राधेश्याम व भगत सिंह ने कहा कि विभाग द्वारा ऑनलाइन टीचर डायरी लिखवाने के अव्यवहारिक निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिसका अध्यापक संघ विरोध करता है। यह एक अनावश्यक व गैर जरूरी कार्य है व इससे टीचर्स के पढ़ाने के अति महत्वपूर्ण समय का लगभग एक घंटा हर रोज इस अनावश्यक कार्य में खर्च हो जाएगा। वैसे भी इसका अध्यापन से कोई रिश्ता ही नहीं है।

राजपाल मिताथल

कालांवाली रेलवे स्टेशन के नजदीक संदिग्ध अवस्था में मृत मिला युवक

सिरसा। कालांवाली रेलवे स्टेशन के नजदीक संदिग्ध अवस्था में एक युवक शनिवार सुबह मृत अवस्था में मिला। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची ओर छानबीन शुरू की। मृतक की पहचान करीब 32 वर्षीय सुमित निवासी गांव गहरीन उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है जोकि फिलहाल वार्ड दस में परिवार के साथ रहता था। बताया जा है कि मृतक दिहाड़ी मजदूरी करता था और शराब आदि का सेवन करता था। शुक्रवार रात को भी उसने शराब का सेवन किया और नशे में वह शराब के ठेके के पास रेलवे परिसर में बेसुध होकर गिर गया और पूरी रात्रि को वहीं पर खुले में पड़ा रहा। संभवतः रात्रि को ज्यादा ठंड के कारण उसकी मौत हो गई हो। रात भर परिजनों ने उसकी तालाश करते रहे, परंतु उसका कोई पता नहीं चला। शनिवार सुबह राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच कर उसकी शिनाख्त की। फिलहाल पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सिरसा के नागरिक अस्पताल में पहुंचा दिया है।

किडनैप करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, आठ काबू

- पीड़ित व्यक्तियों पर गलत काम का दबाव बनाकर आरोपियों ने समझौता करने के नाम पर 20 लाख रुपये की डिमांड की

हरिभूमि न्यूज ⏭|सिरसा

पुलिस ने किडनैपिंग की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो महिलाओं सहित आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने शनिवार को बताया कि सिरसा जिले के गांव चिलकनी ढाब निवासी जसवंत व सुभाष ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई कि करीब एक सप्ताह पहले उसके फेसबुक आईडी पर पर खुशी नाम की एक लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई और उसने रिक्वेस्ट को अपनी फेसबुक आईडी से जोड़ लिया। फिर दो दिन बाद उसके मोबाइन पर कॉल आई और कहा कि मैं खुशी बोल रही हूं। इस दौरान उन दोनों के बीच करीब दो मिनट तक बात होती रही। एसपी बताया कि पीड़ित व्यक्तियों पर गलत काम का दबाव बनाकर आरोपियों ने समझौता करने के नाम पर 20 लाख रुपए की डिमांड की और पीड़ित व्यक्तियों को करीब दस घंटें तक बंधक बनाकर रखा और उनके फोन छीन लिए जान से मारने की धमकी देने लगे। डर के मारे पीड़ित व्यक्तियों ने 90 हजार रुपए कैश व 50 हजार रुपए ऑनलाइन खातों में ट्रांसफर करवा लिए।

सिरसा। गिरफ्तार किए गए आरोपी। फोटो : हरिभूमि

आरोपियों की पहचान

रिफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुरेश कुमार, दलबीर सिंह, शिव कुमार निवासी, राजकुमार निवासी सिरसा, राजेश कुमार निवासी हिसार, मनोज कुमार निवासी जींद, सुमन पुत्री सुल्तान सिंह निवासी भटंटू कलां जिला फतेहाबाद व पूजा रानी पत्नी विकास कुमार निवासी गांव डांगरा खेड़ा जिला फतेहाबाद के रुप में हुई है।

शिवलिंग विवादः मसला जल्द हल करवाएंगेः सेतिया

सिरसा। श्री गोशाला परिसर में प्राचीन शिव मंदिर में लगे शिवलिंग को हटाए जाने के विरोध में श्रद्धालुओं द्वारा गोशाला के बाहर दिया जा रहा धरना आज सातवें दिन में प्रवेश कर गया। आज धरने से पूर्व श्रद्धालु विधायक गोकुल सेतिया से उनके निवास पर मिलने पहुंचे। गोकुल सेतिया से मंदिर विवाद के मसले पर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक ने यहां आए लोगों की बात को गौर से सुना और कहा कि कमेटी से बात करके मंदिर को वहीं स्थापित करवाएंगे। विधायक गोकुल सेतिया ने डीएमसी से भी बात की। श्रद्धालुओं ने गोकुल सेतिया का उनकी बात सुनने के लिए आभार प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि श्री गोशाला परिसर में बने शिव मंदिर से शिवलिंग हटाए जाने के बाद यहां तनातनी का माहौल बना हुआ है। शिव मंदिर के श्रद्धालु शिवलिंग को यहां फिर से स्थापित किए जाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के नाम पर लोगों की आस्था के केंद्र शिवलिंग को यहां से हटाकर भावना से खिलवाड़ किया गया है।

बैंक अधिकारी से 8 लाख हड़पने के मामले में महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

टोहाना में बैंक से धोखाधड़ी कर राशि हड़पने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला संजू पत्नी विनोद गिल, निवासी फतेहगढ़ नौबाद उर्फ बाहमणीवाला, जिला संगरूर (पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इससे पहले उसके पति विनोद गिल को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 लाख रुपये बरामद कर चुकी है।थाना शहर टोहाना प्रभारी प्रहलाद सिंह के अनुसार, 25 सितंबर को आईडीएफसी बैंक शाखा प्रथम टोहाना के गोल्ड लोन अधिकारी अमनजोत ने शिकायत दी थी कि विनोद गिल ने मई 2025 में बैंक से 3 लाख 39 हजार रुपये का गोल्ड लोन लिया था। 25 अगस्त को विनोद और उसकी पत्नी संजू बैंक पहुंचे और बताया कि उनका 8 लाख 75 हजार रुपये का गोल्ड लोन मिथुड फिनकोप टोहाना में चल रहा है, जहां ब्याज अधिक होने से गोल्ड बिकने की नौबत आ सकती है।अमनजोत के अनुसार, दंपति की बातों पर विश्वास करते हुए उसने 8 लाख 75 हजार रुपये विनोद के खाते में ट्रांसफर किए, जिसे विनोद ने मिथुड फिनकोप के लोन खाते में जमा करवा दिया और वादा किया कि गोल्ड छुड़वाकर बैंक में जमा करा देगा। लेकिन इसके बाद दोनों बैंक में गोल्ड जमा कराने नहीं आए और न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया।

दिल्ली में 'मिलेनियम फार्मर अवार्ड' से होंगे सम्मानित

देश के टॉप 40 प्रगतिशील किसानों में शामिल हुए सुनील बरड़वाल

ड्रैगन फ्रूट की खेती में बेहरतीन प्रयोगों के लिए मिलेगा सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद/भट्टूकलां

फतेहाबाद जिले का छोटा-सा गांव दैयड़ इन दिनों गर्व से सराबोर है। कारण है, गांव के प्रगतिशील युवा किसान सुनील बरड़वाल, जिनका नाम अब देश के उन चुनिंदा 40 किसानों में शामिल हो गया है, जिन्हें इस साल नई दिल्ली में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 'मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि कृषि जगत में एक नई कहानी लिखने जैसा है। सुनील बरड़वाल को यह अवार्ड राजस्थान सीमा से सटे खेतों में ड्रैगन फ्रूट की खेती में किए गए नवाचारों और बेहतरीन प्रयोगों के लिए दिया जा रहा है, एक ऐसी खेती, जिसे कभी इस क्षेत्र में कल्पना भी नहीं की जाती थी।

भट्टूकलां। दैयड़ गांव का प्रगतिशील किसान सुनील बरड़वाल।

2023 से शुरू की ड्रैगन फ्रूट की खेती

साल 2023 में सुनील ने अपने खेतों में ड्रैगन फ्रूट के शुरुआती पौधे लगाए। बहुतों ने इसे जोखिम कहा, किसी ने इसे असंभव, तो किसी ने अनावश्यक प्रयोग, मगर सुनील के जज्बे और तकनीकी समझ ने इस जोखिम को सफलता में बदल दिया।

राष्ट्रीय स्तर पर अनोखी पहचान

आईसीएआर यानि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि जागरण द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम देश-विदेश के नामी वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और इनोवेटिव किसानों की मौजूदगी में दिसंबर में आयोजित होगा। 50 मिलियन से अधिक किसानों के नेटवर्क पर चलने वाली यह पहल उन किसानों को मंच देती है, जिन्होंने खेती को नया सोच और नई दिशा दी है। ऐसे भव्य मंच पर दैयड़ गांव का नाम गूंजना, अपने आप में एक गौरवपूर्ण क्षण है।

गांव से वैश्विक मंच तक, सुनील की प्रेरक यात्रा

जहां पहले दैयड़ की पहचान सिर्फ पारंपरिक फसलों तक सीमित थी, वहीं आज ड्रैगन फ्रूट की सफल खेती ने जिले को राष्ट्रीय पोर्टल पर विशेष पहचान दिलाई है। कई किसान सुनील बड़वाल से तकनीकी जानकारी लेने आते हैं। ड्रिप सिस्टम, पौधों की देखभाल और जल संरक्षण के उनके तरीके अब प्रेरणा बन चुके हैं। उन्होंने साबित किया है कि अगर सोच नई हो और हिम्मत बड़ी, तो मिट्टी भी कमाल कर सकती है। कार्यक्रम में देश-विदेश के स्टार फार्मर अपनी सफलता की प्रेरक कहानियां साझा करेंगे।

गांव का गौरव, प्रदेश का मान

सुनील बरड़वाल की इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके गांव दैयड़ का नाम ऊंचा किया है, बल्कि पूरे हरियाणा को भी गौरवान्वित किया है। उनकी मेहनत, लगन और नवाचारों ने यह साबित कर दिया कि भविष्य उसी किसान का है जो बदलाव को अपनाए और धरती से जुडक़र नई दिशा तय करे। यह कहानी सिर्फ एक किसान के सम्मान की नहीं, बल्कि उस मिट्टी की है जिसमें मेहनत बोई जाती है और नवाचार उगता है।

नवंबर में जरूरी कामों को निपटाएं, 1 दिसंबर से नियम बदलेंगे

नवंबर महीना जल्द खत्म होने वाला है और कई सरकारी और वित्तीय कामों की आखिरी तारीख भी पास आ गई है। अगर आपने अभी तक ये काम पूरे नहीं किए हैं, तो 30 नवंबर से पहले पूरा कर लें। 1 दिसंबर से कई नियम बदल जाएंगे।

सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस चुनने की आखिरी तारीख

- सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की डेडलाइन 30 नवंबर है। पहले यह तारीख 30 सितंबर थी, लेकिन बाद में बढ़ा दी गई। यूपीएस, एनपीएस से अलग है और इसे चुनने का मौका सीमित समय तक ही है।
- पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की डेडलाइन
- पेंशनर्स को अपना लाइफ सर्टिफिकेट 30 नवंबर तक जमा करना होगा। इसे समय पर जमा न कराने पर पेंशन रोकने का खतरा हो सकता है।

टैक्स फाइलिंग और जरूरी रिपोर्ट

- अक्टूबर 2025 में टीडीएस कटने वाले टैक्सपेयर्स को सेक्शन 194-Iए, 194-Iबी, 194एम और 194एस के तहत बयान 30 नवंबर तक जमा करना अनिवार्य है। सेक्शन 92ई के तहत रिपोर्ट देने वाले टैक्सपेयर्स भी 30 नवंबर तक आईटीआर फाइल कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ग्रुप की कॉन्स्टीट्यूएंट एंटिटीज़ के लिए फॉर्म 3सीईएए जमा करने की आखिरी तारीख भी यही है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव

- ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी की कीमतें अपडेट करती हैं। 1 दिसंबर को भी नए दाम लागू होंगे। 1 नवंबर को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 6.50 रुपए तक घटाई गई थी।

एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमत

- एलपीजी की तरह एटीएफ की कीमतों में भी हर महीने बदलाव होता है। 1 दिसंबर को एटीएफ के दाम बढ़ सकते हैं या कम हो सकते हैं। नवंबर खत्म होने से पहले इन जरूरी कामों को पूरा करना बेहद जरूरी है, क्योंकि 1 दिसंबर से नियम और तारीखें बदल जाएंगी।

निवेश मंत्रा
विनोद गौतम

स्टॉक मार्केट की नब्ज पकड़ना नहीं आसान, इन बातों का रखें विशेष ध्यान

नियमित व अनुशासित निवेश ही करें

दरअसल अनिश्चितता से भरे शेयर ट्रेडिंग में भावों के उतार-चढ़ाव को समझना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है। जो ट्रेडर यह समझते हैं कि मुनाफा कमाना बड़ा लक्ष्य है, वे अक्सर घाटा खाते हैं, जबकि भावों की भाषा को पढ़ने वाले कुल मिलाकर फायदे में रहते हैं, क्योंकि किसी भी शेयर के भावों में ही छिपा रहता है उसका भूत, वर्तमान और भविष्य, बस इसे पढ़ने के लिए सधी और पैनी नजर चाहिए। अब सवाल है कि भावों की भाषा पढ़ी कैसे जाए। इसका एक प्रमुख माध्यम है टेक्निकल एनालिसिस।

टेक्निकल एनालिसिस का क्या है अर्थ

टेक्निकल एनालिसिस का अर्थ है किसी स्टॉक के मार्केट डाटा का सूक्ष्म अध्ययन करके उसकी संभावित कीमत का अनुमान लगाना। इसमें मुख्य रूप से दो बातों पर गौर किया जाता है। भाव और ट्रेडिंग की मात्रा यानी वॉल्यूम। सरल शब्दों में कहा जाए तो टेक्निकल एनालिसिस के तहत देखा जाता है कि किसी खास समय अवधि में किसी स्टॉक की कीमत में कितना उतार-चढ़ाव आया। इस अवधि में इसकी ट्रेड की गई संख्या में क्या कभी कोई बड़ा उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

इक्विटी मार्केट में निवेश एक अनुशासन है। इसे तोड़ने पर जोखिम उठाना पड़ सकता है। लेकिन यह देखा गया है कि निवेश के फैसलों में अपवाद को नियम मान लेने की चूक कई लोगों करते हैं। मसलन, आम धारणा है कि इक्विटी फंड में एकमुश्त निवेश नहीं करना चाहिए। इक्विटी फंड में निवेश एसआईपी के जरिये करना चाहिए, ताकि समय के साथ लागत की एवरेजिंग होती रहे। ऐसा करने के कई फायदे हैं। फिर भी, कई लोगों के पोर्टफोलियो इस नियम का पालन नहीं करते हैं और वे इसकी वजहें भी बताते हैं कि मुझे एक बार में यह रकम मिली थी और किसी ने मुझे बताया कि इसे एकबार में ही इस फंड में लगा देना चाहिए या मुझे पता है कि सेक्टर फंड्स से अभी परहेज करना चाहिए, लेकिन यह तो साफ दिख रहा है कि इंफ्रास्टक्चर का हाल बेहतर होने वाला है, तो मैंने इंफ्रा फंड में एक बार में ही मोटी रकम लगा दी या इक्विटी में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लिहाजा मैंने एफडी में 10 साल के लिए यह रकम लगा दी। ये तो एफडी की तरह ही हैं। ये तमाम तर्क टिपिकल हैं और इनमें से ज्यादातर मामलों में निवेशक ने सोच-समझकर निवेश नियमों का उल्लंघन करने का निर्णय किया होता है। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद को अपनी तर्क बुद्धि से या सलाहकार की मदद से यह समझा ले जाते हैं कि मौजूदा हालात में आम नियम का रास्ता छोड़ना फायदेमंद होगा।

ऐसे समझें

निवेश में अनुशासन व नियमों को समझने के लिए यहां एक उदाहरण पेश है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक डॉक्यूमेंट है। 'पावर ऑफ टेन' के नाम से। इसे नासा के कंप्यूटर साइंटिस्ट गेरार्ड होल्जमैन ने तैयार किया था। इसमें सेफ्टी-क्रिटिकल सॉफ्टवेयर डिवप्प करने के 10 नियम बताए गए हैं। इसके रिसर्च के दौरान होल्जमैन ने पाया था कि अगर नियमों का पालन किया जाए, तो उन्हें कानून की तरह मानना होगा, न कि दिशानिर्देश की तरह। और कुछ ही नियमों का होना बेहतर है, जिनका कभी उल्लंघन न हो। निवेश पर यह उदाहरण बिल्कुल फिट बैठता है। कहने का मतलब कि निवेश के नियमों में अपवाद की कोई जगह नहीं है। हमेशा बुनियादी नियमों का पालन करना चाहिए। और यह नियम है कि इक्विटी में कभी भी एकमुश्त निवेश नहीं करें। न ही सीधे शेयर बाजार में और न ही म्यूचुअल फंड में। अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखें, एसआईपी अपनाएं, नियमित निवेश का पैटर्न अपनाएं। कभी कभार हो सकता है कि ऐसे हालात बनें, जिनमें निवेश के बुनियादी नियमों के उल्लंघन से बेहतर रिटर्न मिले, लेकिन ऐसे मामले नाममात्र के ही होते हैं।

ट्रेडिंग के जरूरी सूत्र

1. ट्रेडर के लिए सबसे अहम है भावों की भाषा
2. टेक्निकल एनालिसिस से समझें भावों की धड़कन
3. टेक्निकल एनालिसिस में चार्ट का अध्ययन अहम
4. ट्रेडर को प्राइस व वॉल्यूम का आकलन करना चाहिए
5. टेक्निकल एनालिसिस से ट्रेंड अनुमान लगा सकते हैं

टेक्निकल व फंडामेंटल एनालिसिस में अंतर

फंडामेंटल एनालिसिस में जहां हम लंबे निवेश के नजरिए से कंपनी के अतीत और वर्तमान को कसौटी पर कसने की कोशिश करते हैं, वहीं टेक्निकल एनालिसिस मूल रूप से भावों की तात्कालिक गणना पर आधारित पद्धति है। इसका उद्देश्य ट्रेडर की मदद करना होता है। फिर चाहे वह ट्रेडर इंट्रा डे हो या फिर शॉर्ट टर्म ट्रेडर। फंडामेंटल एनालिसिस में हम कंपनी की आय, उसके द्वारा दिए गए लाभांश और शोध जैसी बातों को अपने अध्ययन का आधार बना सकते हैं।

ऐसे करें एनालिसिस

टेक्निकल एनालिसिस में इनमें से कुछ संकेतकों का उपयोग किया जा सकता है लेकिन इसमें मुख्य रूप से कुछ विशेष टूल्स और तकनीक का इस्तेमाल किया जता है। इन विशेष साधनों में एक है चार्ट का अध्ययन। चार्टों के जरिए टेक्निकल एनालिसिस करने वाला ट्रेडर दो अहम चीजों पर ध्यान देता है- पहला प्राइस मूवमेंट और दूसरा शेयर का ट्रेंड। अगर कोई शेयर आपके द्वारा निर्धारित कीमत से दो फीसदी गिर भी जाता है तो मुमकिन है कि वह अपट्रेंड हो। यानी उसमें मुनाफा वसूली या किसी और वजह से थोड़े वक्त के लिए करेक्शन आया हो लेकिन वह जल्द ही फिर से रफ्तार पकड़ सकता है। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए हम समझने की कोशिश करते हैं कि किस सीमा के बाद कोई शेयर दिशा बदल सकता है।

कई तरह के चार्ट पैटर्न

टेक्निकल एनालिसिस में काम आने वाले चार्ट पैटर्न भी कई तरह के होते हैं। जैसे- हेड एंड शोल्डर, डबल टॉप या बॉटम वगैरह। इसके अलावा जो चीज टेक्निकल एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है, वह है मूविंग एवरेज। मूविंग एवरेज पर अलग से चर्चा करेंगे, फिलहाल हम आपको उसका एक परिचय देते चलें। मूविंग एवरेज का अर्थ है कि कोई शेयर किसी खास अवधि में किस औसत भाव के साथ मूव कर रहा था। इसका आकलन लगाने में हम कुछ और तकनीकी बिंदुओं पर गौर कर करते हैं, जैसे, सपोर्ट और रेजिस्टेंस। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए शेयर के भावों का अर्थशास्त्र समझने में मदद मिलती है।

शेयर बाजार में क्या है अपर सर्किट और लोअर सर्किट?

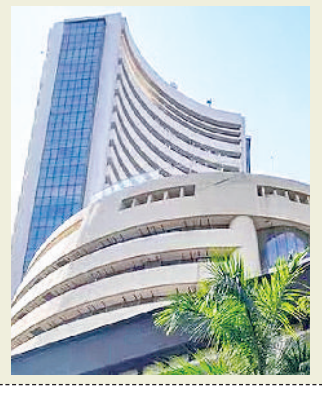

क्यों घटता-बढ़ता है शेयर का मूल्य?

सामान्य निवेशक इस बात को लेकर कभी कभी बहुत हैरान रहते हैं कि शेयर का मूल्य किस हिसाब से बढ़ता और घटता रहता है। शेयर का मूल्य दो कारणों से बढ़ता या घटता रहता है। पहला कारण शेयर की सप्लाई और डिमांड और दूसरा कारण कंपनी द्वारा मुनाफा कमाना या कंपनी का घाटा। लेकिन, अगर हम स्टॉक ट्रेडिंग में देखें तो शेयर की सप्लाई और डिमांड की वजह से अधिकतर शेयर का मूल्य घटता बढ़ता रहता है। जब भी शेयर की डिमांड बढ़ती है यानी ज्यादा लोग खरीदते हैं तो उसका दाम बढ़ जाता है। और, जब लोग शेयर को बेचना स्टार्ट कर देते हैं तब शेयर का मूल्य घटने लगता है यह इस तरह से काम करता है।

लोअर सर्किट को ऐसे समझें

मान लीजिए आपके पास किसी कंपनी का शेयर हैं। किसी वर्ष के दौरान उस कंपनी को किसी कारणवश घाटा लगना शुरू हो जाता है। ऐसे में आप उस कंपनी का शेयर बेचने लगेंगे। ऐसे ही बहुत से लोग जो उस कंपनी के शेयर को लिए होंगे वह भी बेचना शुरू कर देंगे। जब सब बेचना शुरू कर देंगे तो एक ही दिन में उस कंपनी का शेयर शून्य तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में शेयर का मूल्य एक निश्चित सीमा तक गिरे इसके लिए एमएसई तथा बीएसई स्टॉक एक्सचेंज ने कुछ नियम बनाए हैं। जिनके अंतर्गत जब किसी कंपनी में अचानक सब लोग शेयर बेचना शुरू कर दें तो एक निश्चित सीमा तक ही उस शेयर का मूल्य घटेगा। उसके बाद उस शेयर की ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। यह जो मूल्य घटने की सीमा है, उसे ही लोअर सर्किट कहते हैं।

कैसे काम करता है अपर सर्किट

अपर सर्किट को एक उदाहरण के जरिए समझते हैं। मान लीजिए कि आपके पास किसी कंपनी के शेयर हैं। उस कंपनी को खूब मुनाफा होता है या किसी कारणवश उस कंपनी में निवेशकों की रूचि बढ़ जाती है। ऐसे में उस कंपनी के शेयर का दाम खूब चढ़ने लगता है। ऐसे में किसी कंपनी के शेयर का मूल्य एक ही दिन में आसमान में पहुंच जाएगा। इसी हालत से बचने के लिए शेयर बाजार में अपर सर्किट का प्रावधान है। उस निश्चित मूल्य सीमा तक उस कंपनी के शेयर का दाम पहुंचते ही उसमें अपर सर्किट लग जाएगा और उसकी ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। जिस तरह से लोअर सर्किट पर 10, 15 और 20 फीसदी का नियम लागू होता है, वही नियम अपर सर्किट पर भी लागू होता है। लोअर सर्किट के तीन चरण होते हैं। यह 10 फीसदी, 15 फीसदी और 20 फीसदी की गिरावट पर लगता है। यदि 10 फीसदी की गिरावट दिन में 1 बजे से पहले आती है, तो बाजार में एक घंटे के लिए कारोबार रोक दिया जाता है। इसमें शुरुआती 45 मिनट तक कारोबार पूरी तरह रुका रहता है और 15 मिनट का प्री-ओपन सेशन होता है।

क्या आपके पीएफ अकाउंट में भी सितंबर-अक्टूबर का कंट्रीब्यूशन नहीं दिख रहा

उन सैलरीड कर्मचारियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है जिनके पीएफ पासबुक में सितंबर और अक्टूबर 2025 की सैलरी से कटे पैसे अभी तक नहीं दिख रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कहा है कि ये सिर्फ एक अस्थायी तकनीकी दिक्कत है, जल्दी ठीक हो जाएगी। ईपीएफओ अपना नया और अपग्रेडेड इलेक्ट्रॉनिक चालान-कम-रिटर्न सिस्टम लॉन्च कर रहा है। इसलिए हाल के महीनों की पीएफ एंट्री फेज में डाली जा रही हैं। इसी वजह से कुछ लोगों की पासबुक में सितंबर-अक्टूबर के पैसे अभी गायब या अधूरे दिख रहे हैं।

पासबुक लाइट से होगी आसानी

बता दें कि ईपीएफओ ने हाल ही में 'पासबुक लाइट' नाम की नई सुविधा शुरू की है। इसमें आप देख सकते हैं कि आपके खाते में कितना पैसा जमा हुआ, कितना निकला और अभी कितना बचा हुआ है। मतबल जरूरी जानकारी के लिए आसान सुविधा शुरू की गई है। ये सुविधा मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध है। इसके लिए अलग से पासबुक वाली वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही इससे ट्रैफिक ज्यादा होने पर भी सिस्टम हैंग भी नहीं होता और जल्दी जानकारी मिल जाती है।

ई-सेवा पोर्टल पर पीएफ पासबुक कैसे चेक करें

- यूएएन मेंबर ई-सेवा पोर्टल पर जाएं।
- अपना यूएएन, पासवर्ड डालें और ओटीपी से लॉगिन करें।
- डैशबोर्ड पर 'पासबुक लाइट' चुनें, वहां से स्टेटमेंट देखें या डाउनलोड करें।

उमंग ऐप पर पासबुक कैसे देखें

- उमंगऐप में लॉगिन करें।
- ईपीएफओ सर्विस सर्च करें और 'व्यू पासबुक' पर क्लिक करें।
- यूएएन डालें, ओटीपी से वेरीफाई करें, अपना मेंबर आईटी चुनें और ई-पासबुक डाउनलोड कर लें।

ऑनलाइन पीएफ क्लेम करने के लिए क्या-क्या चाहिए

- ऑनलाइन क्लेम डालने वाले मेंबर्स को ये चीजें पहले से पूरी करनी जरूरी हैं:
- यूएनएन एक्टिवेट होना चाहिए और उससे जुड़ा मोबाइल नंबर काम कर रहा हो।
- आधार लिंक और ओटीपी से वेरीफाई होना चाहिए।
- बैंक अकाउंट डिटेल्स ईपीएफओ में अपडेट होनी चाहिए।
- अगर सर्विस 5 साल से कम है और फाइनल सेटलमेंट करना है तो पेन भी लिंक होना चाहिए।

जैसे-जैसे ईपीएफओ नया सिस्टम पूरी तरह लागू करेगा, सितंबर-अक्टूबर 2025 के पीएफ पैसे जल्दी ही सभी की पासबुक में दिखने लगेंगे।

यूपीआई वेरिफिकेशन से लेकर 'स्पॉट ए स्कैम' टूल तक, निवेशकों को फ्रॉड से बचाने के लिए सेबी के सुझाव

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने आगाह किया कि नॉन-रजिस्टर्ड एडवाइजर ग्रुप, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यम की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। बीएसई के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं, यह चुनौती और भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसलिए, निवेशक सुरक्षा को मजबूत करना नियामक की प्रमुख प्राथमिकता बन गया है। योजनाओं की पहचान करने में और अधिक सहायता करने के लिए 'स्पॉट ए स्कैम टूल' पेश किया है, जो यूजर्स की ऑनलाइन प्रामाणिकता सत्यापित करने में मदद करता है। पांडेय ने बताया कि सेबी ने पिछले 18 महीनों में मेटा, गूगल, टेलीग्राम और एक्स सहित सोशल मीडिया एवं सर्च मंचों पर गैरकानूनी या भ्रामक ऑनलाइन सामग्री के एक लाख से अधिक मामलों को चिह्नित किया है। उन्होंने कहा कि इसके अनुरूप विनियमित संस्थाओं को सोशल मीडिया पर अनियमित सलाहकारों के साथ जुड़ने की अनुमति नहीं है, जिससे झूठे दावों व हानिकारक पेशकशों के प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी।

यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया

सेबी ने इन प्रयासों के तहत यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पेमेंट सिर्फ सेबी रजिस्टर्ड मध्यस्थों की प्रामाणिक यूपीआई आईडी पर ही किए जाएं। बाजार नियामक ने जांच सुविधा का भी विस्तार किया गया है जिससे निवेशक 'सेबी इन्वेस्टर' वेबसाइट और सारथी मोबाइल ऐप पर बैंक खातों की वास्तविकता की तुरंत पुष्टि कर सकते हैं। यह समझते हुए कि धोखाधड़ी की गतिविधि बिना किसी चेतावनी के हो सकती है निवेशक अब स्वेच्छा से अपने लेनेदने के खातों को 'फ्रीज' या 'ब्लॉक' कर सकते हैं। यह ठीक वैसे ही है जैसे 'हैक' किए गए डेबिट कार्ड को 'ब्लॉक' किया जाता है। यह विकल्प तत्काल सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

गारंटीड रिटर्न के वादे से रहें सावधान

कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले ऐप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी रेगुलेटेड मार्केट नहीं दे सकता। बाजार नियामक के प्रमुख ने खतरे की गंभीरता को दोहराते हुए कहा कि ऐसे "नॉन-रजिस्टर्ड एडवाइजर ग्रुप, लोगों को असुरक्षित ट्रेड प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित करते हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार के मामले कोई छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि निवेशकों के विश्वास, जिज्ञासा और आकांक्षाओं का फायदा उठाने के समन्वित प्रयास हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लोग 'अवसर की आड़ में धोखे' का शिकार न हों।

पारिवारिक वसीयत में सही हिस्सा नहीं मिला? जानें, क्या है कानून और कोर्ट में क्या माना जाता है सबूत

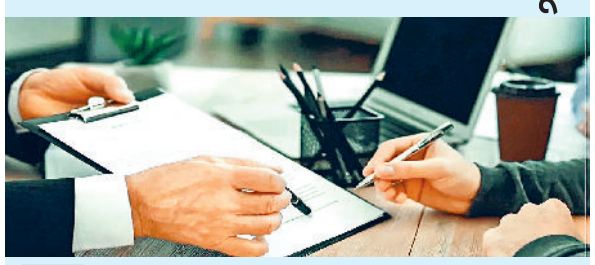

परिवार में वसीयत को लेकर झगड़े अक्सर रिश्तों को बिखेर देते हैं। अगर वसीयत में हिस्से बराबर न हों या लगे कि कोई बाहर से दखल दे रहा था, तो मामला और उलझ जाता है। लेकिन कानून के मुताबिक, सिर्फ असमानता देखकर वसीयत को चुनौती नहीं दी जा सकती। यहां बहुत मजबूत सबूत चाहिए। अगर परिवार पहले से ही सही कदम उठाएं, तो लंबी अदालती लड़ाई और पैसे की बर्बादी से बच सकते हैं। खैतान एंड कंपनी की पार्टनर ज्योति सिन्हा बताती हैं कि ऐसे मामलों में सही जानकारी होना जरूरी है, वरना छोटी-छोटी बातें नजरअंदाज हो जाती हैं।

छिपे हुए संकेत जो नजर नहीं आते

परिवार वाले अक्सर उन छोटे-छोटे इशारों को मिस कर देते हैं, जो वसीयत में गड़बड़ी की ओर इशारा करते हैं। सिन्हा कहती हैं कि अगर कोई फायदा उठाने वाला शख्स लंबे समय से टेस्टेटर (वसीयत बनाने वाला) के करीब रहा हो और फैसले प्रभावित करने की कोशिश करता दिखे, तो ये दबाव या अनुचित प्रभाव का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, वसीयत में हस्ताक्षर में कुछ असामान्य हो, जैसे डॉक्टर का सर्टिफिकेट न होना जो दिमागी हालत की पुष्टि करे, या जहां काट-पीट हुई हो वहां इनिशियल्स न हों, तो ये चेतावनी के घंटे हैं। ये चीजें खुद-ब-खुद वसीयत को अमान्य नहीं बनातीं, लेकिन जांच की जरूरत बताती हैं। सिन्हा की सलाह है कि इन पर गौर करके जल्दी कदम उठाएं, क्योंकि वक्त बीतने पर सबूत गुम हो सकते हैं।

सबूत जुटाने की जल्दबाजी क्यों?

समय बहुत कीमती है ऐसे मामलों में। सिन्हा कहती हैं कि वसीयत बनाने के वक्त की घटनाओं का टाइमलाइन बनाएं, टेस्टेटर की शारीरिक और मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा करें। असली हस्ताक्षर के नमूने, फोटो, चिट्ठियां या ईमेल जैसे दस्तावेज रखें, जो ये साबित करें कि वसीयत प्राकृतिक है या संदिग्ध। परिवार अक्सर सोचते हैं कि उनके पास जो कागज हैं, वो बेकार हैं, लेकिन सिन्हा की राय है कि सब कुछ वकील को दिखाएं। वो तय करेंगे कि क्या काम आएगा। अगर देर की, तो महत्वपूर्ण चीजें खो सकती हैं।

अदालतें कैसे काम करती हैं?

जज लोग वसीयत पर दस्तखत करते वक्त की परिस्थितियों को गौर से जांचते हैं। सिन्हा बताती हैं कि क्या टेस्टेटर आजाद था, उसे सब समझ आ रहा था? बीमारी, नशा या कोई ऐसी चीज जो फैसले पर असर डाले, उसकी जांच होती है। अनुचित प्रभाव साबित करना काफी मुश्किल है, क्योंकि कानूनी स्तर ऊंचा है।

अगर वसीयत से बाहर कर दिया गया तो?

वसीयत से नाम कटना अकेले चुनौती का आधार नहीं होता। सिन्हा कहती हैं कि पहले देखें कि बिना वसीयत के संपत्ति कैसे बंटती। अगर कोई कानूनी वारिस 'अप्राकृतिक बहिष्कार' का दावा करता है, तो वो सेल्फ-अक्वायर्ड संपत्ति के लिए मुश्किल से मान्य होता है, लेकिन पैतृक संपत्ति के लिए काम कर सकता है। ऐसे में कोई कदम उठाने से पहले वकील से बात जरूर करें, क्योंकि मामला जटिल है।

अलर्ट हर साल गुजरना पड़ता है इस प्रक्रिया से, जानकारी होना जरूरी

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट स्वीकार हुआ या नहीं, इस चिंता में हैं? ऐसे चुटकियों में करें चेक

पेंशन जारी रखने के लिए सालाना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना एक जरूरी काम होता है। लेकिन, बहुत से बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि उनका डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बैंक या पेंशन डिपार्मेंट ने एक्सेप्ट कर लिया या नहीं। नीचे हम जानेंगे कि यह पूरा सिस्टम कैसे काम करता है, इसमें क्या-क्या जानकारी देनी पड़ती है। साथ ही इसमें सबसे जरूरी काम यह पता करना होता है कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हो गया या नहीं। लाइफ सर्टिफिकेट एक आधार आधारित डिजिटल सर्टिफिकेट है। इससे पेंशन लेने वाले व्यक्ति के जीवित होने की पुष्टि हो जाती है, वो भी बिना बैंक या डिपार्टमेंट के चक्कर लगाए। जैसे ही आप इसे बनाते हैं, यह इलेक्ट्रॉनिक तरीके से आपके पेंशन देने वाले बैंक या डिपार्टमेंट तक पहुंच जाता है। हर सर्टिफिकेट का एक अलग प्रमाण-आईडी नंबर होता है, जिससे आप और डिपार्टमेंट दोनों उसकी स्थिति देख सकते हैं।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाते समय आपको ये जानकारी डालनी होती है

⏭ आधार नंबर और नाम ⏭ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर ⏭ पेंशन पेमेंट ऑर्डर नंबर ⏭ पेंशन खाते का नंबर और बैंक का नाम ⏭ पेंशन मंजूर करने वाले डिपार्टमेंट और पेंशन देने वाले बैंक/डिपार्टमेंट का नाम ⏭ इसके बाद फिंगरप्रिंट, आंख की स्कैन या चेहरे की पहचान (बायोमेट्रिक) देनी जरूरी है। अगर कोई भी जानकारी गलत हुई तो सर्टिफिकेट रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए बहुत ध्यान से भरें, क्योंकि 30 नवंबर की डेडलाइन नजदीक है।

चेहरे की पहचान से कैसे बनाएं सर्टिफिकेट

अगर आप फेस ऑथेंटिकेशन तरीका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आपके पास एंड्रॉयड फोन होना चाहिए। दो ऐप डाउनलोड करें **adhaarFaceRD** और **Jeevan Pramaan Face App**।

आगे ये करें : आधार से वेरीफाई करें, पेंशन की सारी डिटेल भरें साफ-साफ अपना चेहरा फोटो खिंचवाएं, काम पूरा होने पर आपके रजिस्टर्ड, मोबाइल पर मैसेज आएगा और डाउनलोड लिंक भी मिल जाएगा।

सबसे जरूरी: पता करें कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हुआ या नहीं , सर्टिफिकेट जमा करने के बाद यह जरूर चेक करें कि बैंक/डिपार्टमेंट ने उसे मंजूर किया है या नहीं। तरीका बहुत आसान है। ऑफिशियल वेबसाइट **jeevanpramaan.gov.in** पर जाएं, अपना प्रमाण-आईडी डालकर सर्टिफिकेट डाउनलोड करें, सर्टिफिकेट के सबसे नीचे मैसेज देखें, अगर लिखा हो कि पीडीए ने एक्सेप्ट कर लिया, मतलब काम हो गया।

अगर रिजेक्ट लिखा हो तो तुरंत नया सर्टिफिकेट सही जानकारी और बायोमेट्रिक के साथ बनवाएं।

अगर दिसंबर से पहले सही सर्टिफिकेट जमा नहीं हुआ तो पेंशन रुक सकती है। इसलिए अभी समय है, आज ही चेक कर लें और जरूरत पड़े तो दोबारा जमा कर दें।

खबर संक्षेप

नकदी और मोबाइल छीनने का एक आरोपी काबू

रतिया। थाना शहर रतिया पुलिस ने 23 नवम्बर को मोबाइल और नकदी छीनने के मामले में एक अन्य सह आरोपी बबलू राम उर्फ निंदर निवासी सहनाल को काबू किया है। आरोपी से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। इससे पहले इसी मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि 23 नवम्बर को अनिता गर्ग पत्नी सुनील कुमार निवासी गली नंबर 9, टिब्बा कॉलोनी रतिया ने थाना में शिकायत दर्ज कराई कि वह जैन मंदिर में पूजा करके वापस लौट रही थी। तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात व्यक्ति उनके सामने आए और हाथ से पर्स छीन लिया।

गेम के बहाने हजारों लूटे तीन आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। स्ट्राइकर गेम के बहाने हजारों रुपये लूटने के मामले में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने तीन युवकों को कार्रवाई के तहत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सुरेंद्र उर्फ बुगा पुत्र सज्जन कुमार, राहुल उर्फ मिड्डा पुत्र सुरेश कुमार और रितिक पुत्र मुकेश कुमार निवासी कबीर बस्ती, फतेहाबाद शामिल हैं। बस अड्डा पुलिस चौकी प्रभारी पीएसआई सुमित ने बताया कि शिकायतकर्ता सतीश ने पुलिस को बताया कि 27 नवंबर को वह अपनी गाड़ी में स्क्रैप का सामान लेने फतेहाबाद आया था। तभी चार लडक़े गिट्टियों से स्टाइकर गेम खेलने का बहाना बनाकर लोगों को बहला रहे थे।

श्री दुर्गा मंदिर में मासिक भंडारा श्रद्धापूर्वक संपन्न

ओढां। श्री दुर्गा अष्टमी के अवसर पर पुरानी अनाज मंडी में स्थित दुर्गा मंदिर में श्री दुर्गा भजन मंडल, ओढ़ा द्वारा गांववासियों के सहयोग से मासिक भंडारा लगाया गया। भंडारे का शुभारंभ शाम को 7 बजे दुर्गा मंदिर के पुजारी देव शर्मा ने आद शक्ति दुर्गा माता, अन्नपूर्णा माता, देवों के देव श्री महादेव, ग्यारहवें रूद्र अवतार हनुमान जी और भैरों देव को भोग लगाकर कंजक पूजन के साथ किया। इस खअन्य महिलाओं ने चूल्हे रोटी बनाने और बर्तन साफ करने की सेवा की। श्री दुर्गा युवा मंडल के बालकों केतन गर्ग, वत्सल गर्ग, पर्व गोयल, जश्न गोयल, हितिन कांसल, अनुराग गर्ग और जश्न सहित अनेक युवाओं ने सेवा कार्य बाखूबी निभाया।

बैंक कर्मचारियों ने स्थापना दिवस पर किया सेवा कार्य

फतेहाबाद। हरियाणा ग्रामीण बैंक के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर हरियाणा ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय फतेहाबाद के कर्मचारियों ने हांसपुर रोड पर स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सद्गुरू कृपा अपना घर वृद्धा आश्रम में सेवा कार्य किया। इस दौरान बैंक अधिकारियों वकर्मचारियों ने श्रद्धा व समर्पण के साथ लंगर सेवा की और आश्रम में रह रही बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का परिचय दिया। बैंक कर्मियों ने बताया कि स्थापना दिवस पर यह सेवा कार्यक्रम समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और योगदान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बैंक केवल वित्तीय सेवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ा हुआ है।

'पराली एक पूंजी अभियान' के तहत कार्यक्रम आयोजित

रतिया। शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में पंचतत्व विषय परिषद, पर्यावरण विभाग द्वारा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के 'पराली एक पूंजी' अभियान के अंतर्गत किसानों व ग्रामीणों को छात्राओं के माध्यम से जागरूक करने के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे पराली प्रबंधन का संदेश आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचा सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य परमजीत संधा और संयोजन पर्यावरण विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा ने किया।

आत्मनिर्भर भारत रेल यात्री संपर्क अभियान के तहत बांटे पंपलेट

कालांवाली। आत्मनिर्भर भारत रेल यात्री संपर्क अभियान के तहत शनिवार को कालांवाली रेलवे स्टेशन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंडल अध्यक्ष लवली गर्ग की अगुवाई में स्वदेशी अभियान के स्टीकर लगाए और पंपलेट भी वितरित किए। इस मौके पर युवा भाजपा नेता संतोख सिंह सोखल, महेश आजाद, बीर सिंह, निहाल सिंह कैंथ आदि मौजूद रहे। मंडल अध्यक्ष लवली गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरगामी सोच व कुशल नेतृत्व में देश मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत मिशन के माध्यम से विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेजी से अग्रसर हुआ है। हमें स्वदेशी उत्पाद अपनाकर एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में पूर्ण योगदान देना है। इसलिए स्वदेशी उत्पादों को अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें स्वदेशी को जन आंदोलन बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार राष्ट्रहित के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया है।

आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर पहुंची पुलिस, वीडियोग्राफी करवाई

महिला थाना में ग्रेनेड फेंकने के मामले में पुलिस ने सीन को किया रिक्रिएट

- कुछ लोगों ने घटना की वीडियों बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। महिला थाना में ग्रेनेड फेंकने के मामले में सीन को रिक्रिएट करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

महिला थाना सिरसा के बाहर ग्रेनेड नुमा विस्फोटक पदार्थ फेंकने के मामले में शनिवार को पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और आरोपियों को साथ लेकर सीन-रिक्रिएट किया। पुलिस टीम विशेषज्ञों के साथ शाम को करीबन पांच बजे डीएसपी राज सिंह व राजेश कुमार के नेतृत्व में महिला थाना के बाहर पहुंची।

टीम ने कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपियों को घटनास्थल पर ले जाकर अलग-अलग एंगल से जांच की। रिक्रिएट सीन की वीडियोग्राफी भी की गई। उल्लेखनीय है कि 25 नवम्बर की रात को कुछ लोगों ने महिला थाना के बाहर ग्रेनेड नुमा विस्फोटक फेंका और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। पुलिस को जैसे ही घटना की जानकारी मिली तो त्वरित कार्रवाई करते हुए सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने स्वयं नेतृत्व करते हुए कुछ ही देर में आरोपितों को दबोच लिया। इनमें चार युवक खारियां गांव के जबकि एक युवक को हाउसिंग बोर्ड से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि चारों युवक नशेड़ी हैं। सिरसा के एसपी ने एडिशनल एसपी फैजल खान के नेतृत्व में एसटीएफ का गठन करते हुए घटना की जांच शुरू कर दी।

इस संबंध में शुक्रवार को एनआईए की तीन सदस्यीय टीम भी सिरसा पहुंची और आरोपियों से एक-एक करके पूछताछ की जो रातभर जारी रही। याद रहे कि पुलिस ने सभी आरोपियों को रिमांड पर लिया है ताकि घटना की तह तक जाया जा सके। इस संबंध में सिरसा पुलिस पंजाब पुलिस से भी निरंतर संपर्क कर जांच को आगे बढ़ा रही है और इनपुट एक-दूसरे से सांझा कर रही है।

यूट्यूब से ग्रेनेड फेंकने का तरीका सीखा

उल्लेखनीय है कि चारों आरोपितों धीरज, विकास धारीवाल, विकास उर्फ विक्की और संदीप की ग्रेनेड देने से पहले अमृतसर में हैंडलरों से मुलाकात हुई थी और अगले दिन चलते-चलते उन्हें एक थैला पकड़ाया जिसमें कुछ नकदी व ग्रेनेड था। वहां से आकर आरोपितों ने एक यू ट्यूब पर वीडियो देखी और फेंकने का तरीका सीखा। बाद में धीरज ने शहर के कुछ सरकारी कार्यालयों व संवेदनशील क्षेत्रों की फोटो गूगल मैप से पाकिस्तानी गैंगस्टर शहबाज भट्टी को भेजी जिसके बाद घटना के लिए महिला थाने का चयन किया गया। रात को नशा कर खारियां गांव के धीरज, विकास धरीवाल व संदीप ने महिला थाना के बाहर इस घटना को अंजाम दिया।

सिरसा। चयन होने पर कनिष्क चौहान को मिठाई खिलाते डॉ. वेद बैनीवाल।

एशिया कप इंडिया-19

सिरसा के कनिष्क चौहान का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

- ऑस्ट्रेलिया व इंग्लेंड में भी अपनी प्रतिभा का दिखा चुके है शानदार प्रदर्शन

आगामी 12 दिसंबर से दुबई में आरंभ होने वाली अंडर-19 क्रिकेट एशिया कप में भारतीय टीम में सिरसा के कनिष्क चौहान के चयन पर सिरसा का प्रत्येक खेल प्रेमी फूला नहीं समा रहा है। सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल व कनिष्क के प्रशिक्षक जसकरण सिंह ने शनिवार को बताया कि हरियाणा क्रिकेट 19 के कप्तान रह चुके कनिष्क चौहान अब से पूर्व अंडर-19 क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया व इंग्लेंड में भी अपनी शानदार प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। अब एक बार फिर कनिष्क चौहान गेंद व बल्ले से दुबई में एक बार फिर भारत की शान बढ़ाने के लिए जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। पुरुष अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का नेतृत्व आयुष म्हात्रे करेंगे। डॉ. वेद बेनीवाल व कनिष्क के प्रशिक्षक जसकरण सिंह ने कहा कि कनिष्क चौहान की प्रतिभा व एसोसिएशन द्वारा उचित मंच प्रदान किए जाने का ही परिणाम है कि आज सिरसा का छोरा अंडर-19 क्रिकेट एशिया कप में भारत के लिए पसीना बहाएगा। उन्होंने पुरजोर कहा कि ऑलराउंडर कनिष्क के लिए अभी सफलता की उड़ान केवल यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें उम्मीद है कि वह अपनी एकाग्रता व श्रेष्ठता के आधार पर आने वाले समय में भारत की सीनियर टीम में भी जगह बनाएगा।

इनसो पदाधिकारी 7 दिसंबर की जुलाना रैली का जन-जन को दें निमंत्रण

जेजेपी को सत्तासीन करने का मार्ग प्रशस्त करें युवा: दीपक मलिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

- शनिवार को जेजेपी के जिला कार्यालय में इनसो व बाई ग्रुप के सिरसा के सदस्यों की बैठक

जननायक जनता पार्टी की छात्र इकाई इनसो के प्रदेशाध्यक्ष दीपक मलिक ने कहा कि प्रदेश में आज युवाओं के भविष्य को किस प्रकार अंधकार में धकेला जा रहा है, वह किसी से छिपा नहीं है। इस समय युवाओं के साथ-साथ सभी वर्गों के कल्याण केवल जननायक जनता पार्टी में ही निहित हैं। इसलिए बेहतर होगा कि जुलाना में 7 दिसंबर को जेजेपी के 8वें स्थापना दिवस पर प्रदेशभर के युवा मौजूदा सरकार के खिलाफ हुंकार भरें व जेजेपी को सत्तासीन करने का मार्ग प्रशस्त करें। वे शनिवार को जेजेपी के जिला कार्यालय में इनसो व बाई ग्रुप सिरसा के सदस्यों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। दीपक मलिक ने भी इनसो पदाधिकारियों व सदस्यों से जेजेपी के स्थापना दिवस पर जुलाना में होने वाली रैली के लिए घर घर जाकर लोगों को निमंत्रण देने का आह्वान किया।

उन्होंने वर्तमान में प्रदेश में शिक्षा के गिरते स्तर पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हरियाणा में आज शिक्षा की हालत दयनीय है। प्रदेश के सभी कॉलेज व यूनिवर्सिटी में प्राध्यापकों की कमी है। स्कूलों में 60 प्रतिशत शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। विश्वविद्यालयों में केवल रिसर्चर के भरोसे ही शिक्षा दी जा रही है। प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों में नियमित शिक्षकों की जरूरत है और ऐसे में विद्यार्थियों के रिसर्च वर्क प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेजेपी के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने सदैव छात्र हितों में संघर्ष किया है और यही वजह है कि आज पूरे हरियाणा में इनसो की खास पहचान है। उन्होंने इनसो संगठन के शीघ्र विस्तार की बात कही। दीपक मलिक ने कहा कि केवल चौधरी देवीलाल की सोच पर आधारित जेजेपी में ही आम छात्र राजनीति में केवल छात्र राजनीति के माध्यम से आ सकते हैं और छात्र राजनीति के शिखर पर पहुंच सकते हैं।

इनसों पदाधिकारियों का किया स्वागत

इस दौरान जेजेपी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने सभी इनसो पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि जेजेपी ही सही मायने में युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए संजीदा है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला के दिशा निर्देशों पर इनसो न केवल हरियाणा बल्कि राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़ सहित अन्य राज्यों में भी छात्र राजनीति में अपना खास मुकाम रखती है। इससे पूर्व बाईग्रुप के जिला प्रधान धीरा सिंह, रणदीप सिंह मट्ठढाढू, युवा नेता हरप्रीत साहुवाला, प्रदेश सचिव अमन गिल, जिला प्रभारी युवा शांतनु गोदारा, दीपक शर्मा, गुरशनित गिल, जगजीत सिंह गिल सहित छात्र नेताओं ने भी एक स्वर में आगामी 7 दिसंबर को जेजेपी की जुलाना को होने वाली रैली को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प दोहराया। बैठक के दौरान जेजेपी जिला कार्यालय प्रभारी हरिसिंह भारी भी मौजूद थे।

शिक्षकों के लिए कौशल उन्नयन अत्यंत आवश्यक : डॉ. ठकराल

सिरसा। डिंग डाइट में प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को प्रशिक्षण देते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डिंग में पीजीटी संस्कृत एवं पीजीटी फिजिकल एजुकेशन के लिए पांच दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी विद्यालयों में कार्यरत पीजीटी पंजाबी एवं पीजीटी फिजिकल एजुकेशन ने भाग लिया। समापन सत्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक प्रवक्ता डॉ. सोमप्रकाश ठकराल ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का निरंतर कौशल उन्नयन अत्यंत आवश्यक है।

ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल शिक्षकों की पेशेवर दक्षता को बढ़ाते हैं, बल्कि विद्यार्थियों में सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुखी बनाते हैं। उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई नवीन शिक्षण तकनीकों और गतिविधियों को अपने विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करें, ताकि छात्रों में आत्मविश्वास, सहभागिता और सीखने की रुचि बढ़ सके। प्रवक्ता ईटी विंग ने बताया कि इस प्रशिक्षण से शिक्षकों की विषयगत दक्षता और शिक्षण कौशल में वृद्धि होगी और कक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और सीखने की रुचि बढ़ेगी।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

सिरसा। चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के विधि विभाग द्वारा नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रावधानों की व्यावहारिक समझ विकसित करने हेतु फतेहाबाद सिटी पुलिस स्टेशन में एक शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस शैक्षणिक दल का नेतृत्व विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास पूनिया एवं डॉ. वकील मेहरा ने किया। दोनों ही प्राध्यापकों ने नए अपराध कानूनों के दायरे, उद्देश्य, प्रमुख परिवर्तन तथा न्यायिक प्रक्रिया पर उनके प्रभाव से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं।छात्रों ने पुलिस कांस्टेबलों को नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों पर प्रशिक्षण प्रदान किया तथा इन कानूनों के व्यावहारिक पक्षों पर सार्थक संवाद स्थापित किया। सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास पूनिया ने कहा कि नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक आधुनिक, प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-हितैषी बनाने की व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने कहा कि ये कानून सुशासन, जवाबदेही और न्याय व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की उस विचारधारा के अनुरूप हैं, जो न्याय प्रक्रिया को तेज, तकनीक-सक्षम और पीड़ित-केंद्रित बनाने पर बल देती है।विभागाध्यक्ष प्रो. उम्मेद सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन और विधि छात्रों के बीच इस प्रकार की पारस्परिक सहभागिता न्याय व्यवस्था की जमीनी समझ विकसित करने में अत्यंत आवश्यक है।सिटी पुलिस स्टेशन के एसएचओ सुरेंद्र ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए छात्र-छात्राओं से विस्तृत संवाद स्थापित किया। उन्होंने पुलिस कार्यप्रणाली, अपराध जांच के व्यावहारिक पक्ष, तथा नए आपराधिक कानूनों के वास्तविक अनुप्रयोग पर महत्वपूर्ण जानकारियां सांझा कीं।

खो-खो खेल में भगत सिंह हाऊस ने सुखदेव हाऊस को 13-9 से हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ चोपटा

एनसीएम स्कूल प्रांगण कागदाना में 32वें वार्षिक खेल समारोह के चौथे दिन का पहला खो-खो का मैच अंडर 19 बॉयज टीम ए (सुखदेव हाउस) व टीम बी (भगत हाउस) के बीच हुआ। यह मैच टीम बी (भगत सिंह हाउस) ने 13-9 के स्कोर से जीत लिया। इसके बाद दूसरा मैच अंडर 19 गर्ल्स टीम बी (आजाद हाउस) व टीम सी (भगत सिंह हाउस) के बीच खो9 खो का हुआ। यह मैच टीम बी (आजाद हाउस)ने दो मिनट रहते हुए कांटेदार मुकाबले से जीत लिया। आज का तीसरा मैच अंडर 17 बॉयज टीम बी (भगत सिंह हाउस) व टीम डी (राजगुरु हाउस) के बीच खो-खो का मुकाबला हुआ। यह मुकाबला टीम डी (राजगुरु हाउस) ने 12910 के मुकाबले से जीत लिया। आज खो-खो के सारे मुकाबले पूरे हो गए। कबड्डी का फाइनल मुकाबला टीम ए (सुखदेव देव हाउस) व टीम डी (राजगुरु हाउस) के बीच में हुआ। यह फाइनल मैच टीम डी (राजगुरु हाउस)ने 33915 के अंतर से जीत लिया।

ये रहे उपस्थित

खेल समारोह में प्राचार्य संजीव कुमार पूनिया, सुभाष जाखड़, राजेंद्र टॉक्सिया, राम कुमार सूंडा, अजय न्यौल,गौरव, सचिन, हरपाल, कृष्ण,राजेंद्र , दिनेश, राजीव, मांगे राम, रामचंद्र कृष्ण, उमेद, नत्थू राम, राहुल,अनिल, रवींद्र, राहुल, हीरा लाल, सतबीर, विकास, मान सिंह,सुनीता जाखड़, राजकुमारी, शांति, उमा, वंदना, प्रीति, सुमन, अमनदीप,संदीपकौर, ईश्वर, आशा, नेहा,सुशीला , उर्मिला, रितिका , शैलजा, संतोष, बच्चों सहित उनके अभिभावक भी दर्शक के रूप में मौजूद रहे।

जिला स्तरीय अस्मिता एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बेटियों ने दिखाया दम

सिरसा। शहीद भगत सिंह स्टेडियम में एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया व साइंस स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में जिला एथलेटिक एसोसिएशन सरसा द्वारा जिला स्तरीय अस्मिता एथलेटिक्स प्रतियोगिता (अंडर-14 व अंडर-16 लड़कियां) आयोजित की गई। एकदिवसीय प्रतियोगिता में जिलेभर से आई प्रतिभावान बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न इवेंट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता कंगनपुर के सरपंच प्रतिनिधि दलबीर सिंह गिल ने की। उन्होंने अपनी ओर से सभी खिलाड़ियों को अल्पाहार भी वितरित किया।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम: प्रतियोगिता में जिलेभर से आई खिलाड़ियों ने विभिन्न इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-16 वर्ग में 600 मीटर दौड़ में नीतू ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि हर्षित और सलोनी क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहीं। लॉन्ग जंप में पूजा प्रथम, मुस्कान द्वितीय व अनीता तृतीय रही। डिस्कस थ्रो में जोमल सिंह ने बाजी मारी, महक द्वितीय और गुरमहक तृतीय रहीं। शॉट पुट में खुशी ने स्वर्ण पर कब्जा किया, जैस्मिन ने रजत और दिव्या ने कांस्य पदक जीता। जैवलिन थ्रो में काकू प्रथम, राजकुमारी द्वितीय और स्नेहा तृतीय रहीं। 60 मीटर दौड़ में इंदिरा देवी ने पहला स्थान प्राप्त किया, जसमीत कौर ने दूसरा व सुखप्रीत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में ट्रायथलॉन ग्रुप-ए में खुशी ने प्रथम स्थान पाया, जबकि झलक द्वितीय व गीत तृतीय रहीं। अंडर-14 आयु वर्ग ग्रुप के ट्रायथलॉन में ईस्मृद्धि प्रथम, समरीत कौर द्वितीय व अनुष्का सिंह तृतीय रहीं। वहीं अंडर-14 ग्रुप सी ट्रायथलान में खुशी ने पहला, कुशलदीप ने दूसरा और दीक्षा ने तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जन-जागरुकता अभियान जारी

नशे में वाहन चलाना कई जिंदगियों की जान पर जोखिम : एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एसपी सिद्धांत जैन।

जिला पुलिस द्वारा एसपी सिद्धांत जैन के नेतृत्व में नशा-निवारण और यातायात सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान जारी एडवाइजरी में युवाओं को संदेश दिया गया है कि क्षणिक आनंद के लिए नशा करना जीवन की दिशा बदल सकता है और उन्हें अंधकार में धकेल सकता है। जिम्मेदारी और समझदारी ही सुरक्षित भविष्य का आधार है।

एसपी जैन ने कहा कि नशे की हालत में वाहन चलाना गंभीर अपराध होने के साथ-साथ एक बड़ा सामाजिक खतरा भी है। नशे की वजह से वाहन चालक का संतुलन और निर्णय क्षमता प्रभावित होती है, जिसके परिणामस्वरूप सडक़ दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति की लापरवाही से अन्य निर्दोष लोगों का जीवन भी खतरे में पड़ जाता है। पुलिस का उद्देश्य सिर्फ चालान करना या कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि जागरूक समाज निर्माण करना है। पुलिस अधीक्षक ने अभिभावकों को विशेष रूप से सचेत करते हुए कहा कि वे अपने नाबालिग बच्चों को किसी भी प्रकार का वाहन न चलाने दें। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी है। एक छोटी-सी अनदेखी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। जिम्मेदार अभिभावकों का सहयोग ही सुरक्षित समाज का आधार बन सकता है।

युवाओं से किया संवाद

युवाओं से संवाद करते हुए एसपी जैन ने कहा कि युवा ऊर्जा और क्षमता से भरे होते हैं, इसलिए वे समाज को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से पूरा किनारा करने और यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया। एसपी ने कहा कि युवा स्वयं जागरूक हों और अपने दोस्तों एवं साथियों को भी नशे से दूर रहने तथा सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें। फतेहाबाद पुलिस का यह अभियान केवल कानून पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की सोच को बदलने और जीवन-मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास है। जिले में स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विशेषज्ञ नशे के दुष्परिणामों, सुरक्षित जीवनशैली और जिम्मेदार नागरिकता के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

रतिया में नशा मुक्ति शिविर आयोजित, 41 ड्रग पीड़ितों को काउंसलिंग और उपचार मिला

रतिया। नशामुक्ति शिविर में उपस्थित अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

रतिया। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में जिलेभर में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने लायंस क्लब रतिया सिटी के सहयोग से पीर दरगाह, टोहाना रोड, रतिया में नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ड्रग पीड़ितों की पहचान, उपचार, काउंसलिंग और समाज को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना रहा। थाना शहर रतिया की ओर से सहयोग प्राप्त होने के साथ शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. दीप और आयुष विभाग की ओर से डॉ. शालू अपनी टीमों के साथ मौजूद रहे। चिकित्सा टीमों द्वारा ड्रग पीड़ितों की ब्लड सैंपलिंग, विस्तृत जांच और व्यक्तिगत काउंसलिंग की गई। इसके बाद मरीजों को उनकी आवश्यकता अनुसार एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। शिविर में 12 नव-चिन्हित ड्रग पीड़ित और 29 उपचाराधीन मरीजों सहित कुल 41 पीड़ितों ने उपचार व परामर्श प्राप्त किया। इसके अलावा, अन्य अनेक ग्रामीणों और आम नागरिकों ने भी स्वास्थ्य जांच और परामर्श का लाभ उठाया। समापन समारोह में डीएसपी नरसिंह और थाना प्रभारी, शहर रतिया ने उपस्थित ड्रग पीड़ितों को नशे से मुक्ति पाकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिविर में आए सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और सहयोगी संस्था लायंस क्लब रतिया सिटी के पदाधिकारियों का विशेष आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही समाज में नशे के खिलाफ ऐसे अभियान लगातार आयोजित करने पर बल दिया।

खबर संक्षेप

मारपीट व चाकू से हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

रतिया। थाना शहर रतिया पुलिस ने 25 नवंबर को संजय गांधी चौक पर मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने के गंभीर मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान अजय कुमार निवासी वार्ड नंबर 12 रतिया और हैप्पी सिंह निवासी वार्ड नंबर 5, रतिया के रूप में हुई है। दोनों को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा। थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक ने बताया कि 25 नवंबर को रात्री के समय आरोपियों ने संजय गांधी चौक रतिया के पास पीड़ित अजय कुमार पुत्र कश्मीरी लाल पर हमला किया।

गो-तस्करी में छठा आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। गौ-तस्करी के मामले में थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान राजेश पुत्र सरदारा राम निवासी राज नगर टोहाना के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में 5 आरोपी पहले ही काबू किए जा चुके हैं। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि वर्ष 2021 में पुलिस टीम ने कुलां चौक पर नाका लगाया था, जहां एक ट्रक रोका गया। ट्रक में पंजाब से गोवंश भरकर अवैध वध के लिए उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। ट्रक में 16 बैल ठूंस-ठूंसकर भरे मिले। ट्रक चालक साबु पुत्र नूरा और कंडक्टर सहजाद मौके पर काबू किए गए।

वसूली-धमकी मामले में सीआईए ने किया काबू

फतेहाबाद। सीआईए टोहाना ने वसूली और धमकी के मामले में एक आरोपी विशाल मैहरा पुत्र सुरेश कुमार निवासी जमालपुर शेखां को काबू किया है। इससे पहले इसी मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि प्रार्थी कृष्ण कुमार पुत्र नारायण दास, निवासी कृष्णा कालोनी टोहाना ने शिकायत दर्ज कराई कि आरोपी विशाल मैहरा, पत्रकार पवन गिल और संदीप ठरवी ने 25 और 26 मई 2025 को होटल में प्रवेश कर धमकी और भय दिखाकर कुल 80,000 रुपये वसूल लिए। प्रार्थी ने बताया कि आरोपी उसके होटल और उसके ग्राहक को बंद कराने की धमकी दे रहे थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विशाल मैहरा को काबू किया।

श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार हेतु आवेदन

सिरसा। हरियाणा सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के लिए वर्ष 2025 के हरियाणा राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। चयनित को सुषमा स्वराज पुरस्कार के साथ पांच लाख की राशि तथा प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं उप निदेशक डा. दर्शना सिंह ने बताया कि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 01 दिसंबर 2025 है। उम्मीदवार का संपूर्ण बायोडाटा और योगदान का विस्तृत विवरण अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। इच्छुक महिलाएं कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में अंतिम तिथि तक आवेदन भेज सकती हैं।

किसानों ने मार्केट कमेटी पहुंचकर जताया विरोध

नरमा की सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार और मनमानी के लगाए आरोप

- समाधान नहीं हुआ तो मार्केट कमेटी के दफ्तर पर धरना देंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। मार्केट कमेटी दफ्तर पर नरमा की लूट के विरोध में एकजुट हुए किसान।

नरमा की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के मुद्दे को लेकर शनिवार को गांव भोडियाखेड़ा, भूथन कलां, ढाणी ईशर के किसान मार्केट कमेटी फतेहाबाद के दफ्तर पहुंचे। किसानों का नेतृत्व कर रहे किसान सभा के नेता मनफूल ढाका ने बताया कि सीसीआई, नई अनाज मंडी फतेहाबाद में नरमा की खरीद कर रही है परन्तु इसमें पूरी तरह से मनमानी और हेराफेरी चल रही है।

भोडियाखेड़ा के किसान मैनपाल का नरमा सीसीआई ने 7545 रुपये एमएसपी के आप-पास खरीदा। फैक्ट्री में जाने के बाद वहां पर मौजूद कर्मचारी ने कहा कि नरमा की क्वालिटी अच्छी नहीं है, इसलिए इसे वापस ले जाओ। यह वही कर्मचारी था जिसने अनाज मंडी में इस ढेरी की बोली लगा कर पास किया था। ढेरी रिजेक्ट होने के बाद किसान ने रात को ट्रैक्टर-ट्रॉली वहीं फैक्ट्री में ही खड़ी करके देर रात घर लौट गया। इसी मुद्दे को लेकर किसान सभा ब्लॉक समिति के सदस्य कृष्ण ज्याणी भूथन कलां, भोडिया खेड़ा के पीडित किसानों को साथ लेकर मार्केट कमेटी सचिव फतेहाबाद के दफ्तर पहुंचे। हालांकि सचिव चंडीगढ़ मीटिंग में व्यस्त थे तो किसान नेता मनफूल ढाका ने उनसे फोन पर बात की और सारा मामला बताया। इस पर सचिव ने बताया कि वे चंडीगढ़ में कोई मीटिंग में व्यस्त हैं और इस मामले में कुछ नहीं कर सकते।30 किलो से एक क्विंटल की काट काटीइस पर किसानों ने वहां मौजूद अन्य अधिकारियों को चेतावनी दी कि अगर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो मार्केट कमेटी के दफ्तर पर धरना लगाया जाएगा। इसके तुरंत बाद सचिव ने फोन कर कहा कि सम्बंधित किसान का उसी रेट 7545 पर तुरंत नरमा तुला दिया गया है। किसानों ने कहा कि सीसीआई से खरीद के बाद मिल में जाकर हर ढेरी से 30 किलो, 80 किलो, 1 क्विंटल तक नरमा की काट काटी जाती है। सीसीआई द्वारा सरकारी खरीद 7400 से 7800 के आसपास की जा रही है और इसमें क्वालिटी और नमी के कई मानदंड रखे गए हैं जिनसे किसान सभा सहमत नहीं है, यह सब अधिकारियों और फैक्ट्री मालिकों को किसानों का शोषण करने का पूरा मौका मिलता है।

अधिकारियों को दी जाएगी शिकायत

भूथन कलां के किसान अमरजीत सिंह ढाका ने बताया कि उसका नरमा 27 नवंबर को सीसीआई ने खरीदा और फैक्ट्री में पहुंचने के बाद ढेरी में से 30 किलो नरमा की काट काट ली गई। इसके बारे में मार्केट कमेटी सचिव को अवगत करा दिया गया है और इसकी लिखित शिकायत संबंधित अधिकारियों को की जाएगी। किसानों ने कहा कि आने वाले दिनों में इस बारे में कपास किसानों की लामबंदी करके लड़ाई लड़ी जाएगी। जिले भर के नरमा कपास के किसानों को एकजुट कर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर इस लड़ाई को आगे पुरजोर लड़ा जाएगा। इस अवसर पर राजेश, जितेन्द्र, सुमित, सचिन, विक्रम आदि किसान मौजूद रहे।

फतेहाबाद। बैठक में सरकार के रवैये पर रोष जताते रिटायर्ड कर्मचारी।

रिटायर्ड कर्मी 17 को डीसी कार्यालय पर देंगे धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लाक फतेहाबाद की बैठक प्रधान मा. रामदास की अध्यक्षता में पटवार भवन में हुई। बैठक का संचालन ब्लाक सचिव हरकिशन लाल कम्बोज ने किया वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर केन्द्रीय कमेटी सदस्य जोगिन्द्र भ्याना और जिला वित्त सचिव रघुनाथ मेहता ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 17 दिसम्बर को पेंशनर्ज की लंबित मांगों को हल करवाने को लेकर जिला स्तर पर प्रदर्शन कर डीसी कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। बैठक में सर्वप्रथम बिजली निगम के जेई पवन शर्मा की पत्नी, अध्यापक नेता सुरजीत दुसाद के पिता, शिक्षाविद् प्रो. एलआर भ्याना, जीपीएस बोसवाल मा. अंकित इन्सां, फतेहाबाद नगरपरिषद के चालक बलवंत, नत्थूराम ढाका, लाइनमैन रणधीर सिंह के पुत्र तथा दिल्ली में हुए बम धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बैठक में रिटायर्ड कर्मियों ने उनकी मांगों व मुद्दों के प्रति केन्द्र व राज्य सरकार के उदासीन रवैये पर चिंता व्यक्त की। मुख्य वक्ता जोगिन्द्र भ्याना व रघुनाथ मेहता ने कहा कि केन्द्र द्वारा 8वें वेतन आयोग का गठन किया गया है जिसमें सरकार ने टर्म ऑफ रेंफरेंस जारी कर दी है। इसमें अनफंडिड कोस्ट आफ नॉन कंट्रीब्यूटिड पेंशन जैसे विवादित शब्दों को जोड़ा गया है।

ये रहे मौजूद

मौके पर मोहन लाल नारंग, बनारसी दास मोंगा, डॉ. रामेश्वर दास, ओमप्रकाश चड्ढा, रामकिशन तंवर, भगवंत सिंह सेठी, परमजीत सिंह, बलबीर सिंह, मा. भूपेन्द्र सिंह, चंचल सिंह, जसबीर सिंह, मा. बलवंत सिंह, जसवंत सिंह, सुखदेव सिंह, सोहन सिंह सहित अनेक रिटायर्ड कर्मी मौजूद रहे।

रेल यात्री एसोसिएशन ने की टोहाना में बंद 7 ट्रेनें फिर से चलाने की मांग, सांसद सुभाष बराला को सौंपा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

टोहाना। सांसद सुभाष बराला को मांग पत्र सौंपते दैनिक रेल यात्री वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी।

दैनिक रेल यात्री वेलफेयर एसोसिएशन ने टोहाना में रेलवे द्वारा बंद की गई सात रेलगाडिय़ों को फिर से शुरू करने की मांग की है। इसको लेकर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को प्रधान राजेश नागपाल के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला से मिला और उन्हें मांग पत्र सौंपा। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को रेलवे मंत्रालय तक पहुंचाया जाएगा और जल्द से जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।एसोसिएशन के प्रधान राजेश नागपाल ने बताया कि हिसार से लुधियाना के बीच चलने वाली कई रेलगाडिय़ों को बंद कर दिया गया है। एसोसिएशन ने मांग की है कि हिसार से लुधियाना वाया धुरी और लुधियाना से हिसार के बीच आंशिक रूप से रद्द की गई गाडिय़ों को तत्काल बहाल किया जाए। इनमें गाड़ी संख्या 54603-54604, 54605-54606, 54633-54634 और 54635-54636 शामिल हैं। ये गाडिय़ां 1 दिसंबर 2025 से 23 फरवरी 2026 तक रद्द की गई हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इन रेल गाडिय़ों को लुधियाना स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण बंद किया गया है। एसोसिएशन ने सुझाव दिया कि इन गाडिय़ों का संचालन धुरी जैसे अन्य स्टेशनों से किया जा सकता है। उन्होंने कम से कम एक गाड़ी का संचालन धुरी से सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रधान राजेश नागपाल के साथ सचिव नवीन सैनी, कैशियर विकास सेठी, सहसचिव विष्णु गोयल, जल सेवा प्रमुख कश्मीरी लाल यादव, उप प्रधान लक्ष्मण दास बंसल, बलविंदर सैनी, बलकार, सुरेश कुमार, जगसीर सिंह, हंसराज, नौरंग पवन और अनिल आदि मौजूद रहे।

जिस व्यक्ति पर हो प्रभु की कृपा, उसका जीवन हो जाता धन्य : भुवनेश्वरी देवी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

रतिया। प्रवचन करते हुए स्वामी भुवनेश्वरी देवी। फोटो : हरिभूमि

सतगुरु सेवा ट्रस्ट,रतिया के तत्वाधान में आयोजित 5 शाम कन्हैया के नाम संगीतमय प्रवचन संध्या के तृतीय दिवस का शुभारम्भ सती माता मंदिर कमेटी के प्रधान सोमनाथ गर्ग ने दीप प्रज्वलित करके किया। ध्वजारोहण की रस्म विक्की मेहता व नितिन मेहता ने निभाई। शहर के शीतला माता मंदिर के समीप बाबा बंदा बहादुर सिंह गुरुद्वारा कमेटी ग्राउंड में आयोजित इस धार्मिक समागम में व्यास पीठ पर विराजमान स्वामी भुवनेश्वरी देवी महाराज ने युगल जोड़ी सरकार, गुरुदेव व व्यास पीठ को नमन करते तृतीय दिवस की कथा का मंगलाचरण किया। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति पर प्रभु की कृपा हो जाती है,उसका जीवन धन्य हो जाता है। राम नाम लेने मात्र से ही व्यक्ति के सभी संकटों का नाश हो जाता है।

उन्होंने कहा कि इसलिए सबको धार्मिक सत्संगों में जाकर प्रभु के नाम का सिमरन करना चाहिए। संसार में जो प्राप्त है,वही पर्याप्त है। यही सोचकर जीवन जीना चाहिए। जितना मिला है, उसमें ही संतुष्ट होना आवश्यक है। तृतीय प्रवचन संध्या का समापन प्रभु की पावन पुनीत आरती से किया गया। इसमें अग्रवाल सभा के प्रधान प्रमोद बांसल, सती माता मंदिर के प्रधान सोमनाथ गर्ग, श्री अरोड़वंश सभा के प्रधान राजपाल ग्रोवर, डॉ. नरेश गोयल सहित शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सहायक कृषि अभियंता ने दी जानकारी

ब्लॉक स्तर पर 2 से 4 दिसंबर तक होगा भौतिक सत्यापन का कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में व्यक्तिगत श्रेणी में किसानों द्वारा सब्सिडी पर खरीदी गई फसल अवशेष प्रबंधन यानि सीआरएम मशीनों का भौतिक सत्यापन 2 दिसंबर से 4 दिसंबर तक सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक निदेशालय द्वारा निर्धारित किया गया है। यह सत्यापन उन मशीनों का होगा जिनके बिल 30 नवंबर तक विभाग के पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं। सहायक कृषि अभियंता पवन कुमार ने बताया कि 2 दिसंबर को कृषि यंत्र सुपर सीडर का भौतिक सत्यापन किया जाएगा, जिसमें ब्लॉक टोहाना, जाखल व भूना के लिए अनाज मंडी धारसूल कलां, ब्लॉक रतिया, नागपुर व भूना के लिए सहनाल रोड कोर्ट के सामने रतिया, ब्लॉक फतेहाबाद, भट्टू कलां व भूना के लिए सिटी पुलिस स्टेशन सेक्टर 10 फतेहाबाद में किया जाएगा। 3 दिसंबर को कृषि यंत्र बेलिंग यूनिट यानि स्ट्रा बेलर, रेक व श्रब मास्टर/रोटरी स्लेशर का भौतिक सत्यापन खंड टोहाना, जाखल व भूना के लिए अनाज मंडी धारसूल कलां, खंड रतिया, नागपुर व भूना के लिए सहनाल रोड कोर्ट के सामने रतिया तथा खंड फतेहाबाद, भट्टू कलां व भूना के लिए सिटी पुलिस स्टेशन सेक्टर 10 फतेहाबाद में किया जाएगा। 4 को विभिन्न मशीनों जैसे रीपर कम बाइंडर, स्मार्ट सीडर, जीरो टिल, सुपर एसएमएस, मल्चर, लोडर आदि के लिए ब्लॉक टोहाना, जाखल व भूना के लिए अनाज मंडी धारसूल कलां, ब्लॉक रतिया, नागपुर व भूना के लिए सहनाल रोड कोर्ट के सामने रतिया, ब्लॉक फतेहाबाद, भट्टू कलां व भूना के लिए सिटी पुलिस स्टेशन सेक्टर 10 फतेहाबाद में किया जाएगा।

देहाती मजदूर सभा का सम्मेलन सुखदेव सिंह चुने गए जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। अधिकारी को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने जाते देहाती मजदूर सभा के सदस्य।

देहाती मजदूर सभा, जिला फतेहाबाद का तीसरा सम्मेलन कामरेड जीत सिंह की स्मृति में आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला प्रधान नत्थू राम चौबारा ने की तथा मंच संचालन जिला सचिव जसपाल सिंह खुन्डन ने किया। मुख्य वक्ता के तौर पर तजिन्द्र सिंह, बलदेव सिंह नुरपूरी, पंजाब राज्य अध्यक्ष दर्शन सिंह नाहर ने भाग लिया और देश व प्रदेश में मजदूरों की समस्याओं और उनकी जिंदगी के बारे विचार रखे। सम्मेलन में 9 सदस्यीय जिला कमेटी का चुनाव करवाया गया, जिसमें सुखदेव सिंह को जिलाध्यक्ष, जसपाल सिंह खुन्डन को जिला सचिव, धलवन्त सिंह, तारा सिंह, वीरेंद्र सिंह, गुरदेव सिंह, इन्द्र जीत बोसवाल, लखा सिंह और बलजीत को जिला कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। सम्मेलन के बाद सभा द्वारा मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रधान मन्त्री को मांग पत्र भेजा गया। देहाती मजदूर सभा ने मांग की है कि मनरेगा के सभी कच्चे काम पुनः शुरू किये जाए। मजदूर विरोधी संहिताएं रद्द व लेबर कोड रद्द हो। मनरेगा मजदूरों को पूरा साल काम व दिहाड़ी 700 रुपये प्रतिदिन की जाए। फैमिली आईडी रद्द की जाए तथा फैमिली आईडी की आड़ में मजदूरों के काटे गये पीले व गुलाबी राशन कार्ड बहाल किए जाएं। प्रीपेड मीटर बिजली बिल 2020 रद्द किया जाए व 200 यूनिट सभी गरीबों को मुफ्त दी जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी लाभार्थियों की बकाया राशि जारी की जाए।

फतेहाबाद: पूर्णाहूति के साथ शतचंडी हवन ऑका का समापन, मूर्ति विसर्जन आज

फतेहाबाद। सर्व श्री चंडी माता मंदिर अशोक नगर में चल रहे श्री शतचण्डी हवनात्मक महायज्ञ और रूद्र याग का समापन पूर्णाहुति व कन्यादान के साथ हुआ। महाआरती के बाद जरूरत परिवार की लडकी का विवाह कराया गया। कार्यक्रम में रोहतक से महामंडलेश्वर कर्णपुरी महाराज विशेष तौर पहुंचे। मंदिर गद्दीनशीन माता सत्यम देवा ने उनका विधिवत स्वागत किया। कार्यक्रम सर्व श्री चंडी माता सेवा ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन इंद्र गावड़ी, भाजपा नेता भवानी सिंह विशेष तौर पर मौजूद रहे। यज्ञशाला में आचार्य भीष्म भारद्वाज व पंडित भोला दत्त शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना और आहुतियां दी गई तथा जन-कल्याण व विश्व शांति की कामना की गई। 9 दिवसीय इस कार्यक्रम का समापन शनिवार को पूर्णाहूति व कन्यादान के साथ किया गया। अंत मे लंगर भी चला। मंदिर ट्रस्ट के प्रधान संजय आहूजा, प्रमुख सेवादार संजय शर्मा ने बताया कि 30 नवंबर को मूर्ति विसर्जन के साथ कार्यक्रम का अंतिम चरण पूरा किया जाएगा।

अन्तरराष्ट्रीय विकलांग दिवस पर सुशील आजाद होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

विकलांग अधिकार मंच जिला फतेहाबाद कमेटी द्वारा 3 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस जिला स्तर पर रतिया में धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय संगठन में कार्यरत पटियाला के सुशील कुमार आजाद को विश्व स्तर पर श्रेष्ठ कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। मंच के जिला सहसचिव कर्मजीत सिंह पदम ने बताया कि जिला स्तरीय कमेटी ने सुशील आजाद के व्यक्तित्व और विश्व स्तरीय हिंदी भाषा और संस्कृति के विकास के लिए सम्मानित करने का निर्णय लिया है। आजाद लगभग 31 वर्षों से शिक्षण कार्य से समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने रूस में लगभग साढे तीन वर्ष भारतीय दूतावास के केंद्रीय विद्यालय में हिंदी भाषा एवं संस्कृति के विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्होने विदेश से रूसी रामलीला के मंचन में अतुलनीय सहयोग दिया है। आजाद को रूस में भारतीय राजदूत डीबी वेंकटेश वर्मा द्वारा भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय हिंदी सृजन सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद बंसल, अध्यक्ष अग्रवाल सभा एवं महाराजा अग्रसैन चैरीटेबल ट्रस्ट हस्पताल रतिया होंगे।

आयोजन | सांसद खेल महोत्सव, क्वालीफायर खेलों का चेयरमैन ने किया शुभारंभ

रतिया, नागपुर और फतेहाबाद ब्लॉक की विजेता टीमें ले रहीं भाग

खेल ही है समग्र विकास की नींव खेलों से जुड़े युवा : वेद फुलां

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

रतिया। गांव फुलां में खिलाडिय़ों को प्रोत्साहित करते चेयरमैन वेद फुलां।

गांव फुलां स्थित बाबा प्रेमनाथ खेल स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव सिरसा लोकसभा के अंतर्गत रतिया विधानसभा के लोकसभा क्वालीफायर खेलों का शुभारम्भ उत्साह के साथ हुआ। इन खेलों में रतिया, नागपुर और फतेहाबाद ब्लॉक की विजेता टीमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढक़र भाग ले रही हैं। कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर हरकोफेड चेयरमैन वेद फुलां ने खिलाडिय़ों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि खेल ही समग्र उन्नति की नींव है। खेल वह माध्यम है जिससे परिवार, समाज और देश-तीनों का विकास संभव होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से युवाओं को अवसर देने की पहल से नई प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है और आने वाले समय में देश को नई दिशा देने वाले खिलाड़ी सामने आएंगे। वेद फुलां ने राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार सिरसा लोकसभा में खेलों को श्री-लेयर प्रणाली के माध्यम से जमीनी स्तर तक पहुंचाकर व्यापक आयोजन किए गए हैं, उसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। कार्यक्रम में गांव के सरपंच सुनील कुमार, जिले सिंह कूंट, राज कुमार सहारन, संदीप जेवलिया, भजन लाल थालोड़, सतबीर थालोड़, राधेश्याम जेवलिया, जगदीश बिश्नोई सहित अनेक खेल-प्रेमी उपस्थित रहे।

एएनसी फतेहाबाद पुलिस ने हेरोइन सहित युवक को किया काबू

फतेहाबाद। एएनसी सेल फतेहाबाद पुलिस की टीम ने एक युवक को हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान गौरव पुत्र भैया लाल निवासी बैनीवाल कॉलोनी, दौलतपुर रोड फतेहाबाद के रूप में हुई है। एएनसी सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि एएसआई पवन कुमार अपनी टीम के साथ फतेहाबाद शहर के ऑटो मार्केट से रविदास चौक की ओर नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु गश्त पर थे। जब पुलिस टीम खेमा-खाती चौक पहुंची, तो दाईं ओर खड़ा एक युवक पुलिस वाहन को देखकर अचानक मुड़कर तेजी से आगे बढऩे लगा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 30 नवंबर 2025

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए
निरंतर अग्रसर इसरो

{ कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव }

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

देश की प्रगति के लिए जरूरी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य: वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज

अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर: आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे

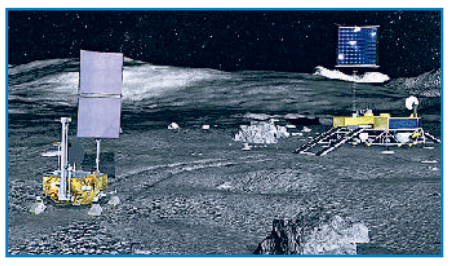

स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित: जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

कई स्तरों पर करनी होगी पहल: इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

इसरो के लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्त्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

{ टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम }

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

क्या होते हैं डिजिटल गेम्स: डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

दीवानी है नई पीढ़ी: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत: वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

डिजिटल गेम्स का भविष्य: जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

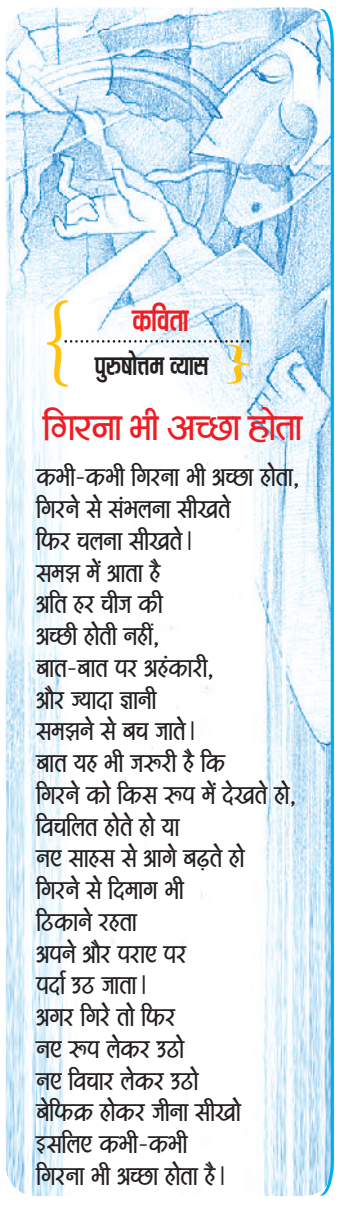

{ कविता
पुरुषोत्तम व्यास }

गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

{ व्यंग्यात्मक संस्मरण
डॉ. मुकेश असीमित }

टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गईं और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

{ लघुकथा / सतीश उपाध्याय }

दरवाजा

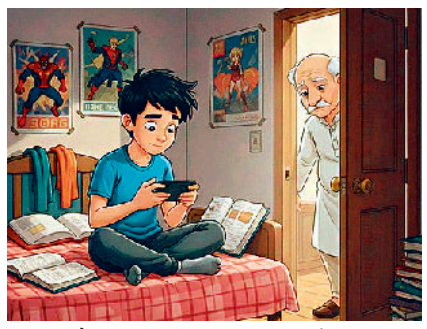

'मम्मी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

पुस्तक: छवि से अलग (संस्मरण), **लेखक:** विनोद दास, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

अगर आपको गांव की खूबसूरती, वहां का प्राकृतिक वातावरण लुभाता है, साथ ही पक्षी प्रेमी भी हैं तो आपको इस मौसम में 'भारत का पक्षी गांव' के नाम से प्रसिद्ध मेनार गांव जरूर जाना चाहिए। किस तरह से मेनार गांव, पक्षी-प्रकृति संरक्षण की मिसाल बन गया है, वहां से लौटकर बता रहे हैं लेखक अपनी जुबानी।

पक्षी संरक्षण की मिसाल मेनार गांव

पर्यटन स्थल

समीर चौधरी

हाल ही में मैं उदयपुर घूमने गया था। जब मुझे स्थानीय लोगों से पक्षी संरक्षण के लिए मशहूर मेनार गांव के बारे में पता चला तो खुद को रोक नहीं पाया। राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर के नजदीक स्थित मेनार गांव में मैं बिना किसी असुविधा के बिल्कुल सुबह पहुंच गया था। सुबह होते ही मेनार में चिड़ियों का चहचहाना हर ओर से सुनाई पड़ने लगता है। खासतौर पर मानसून के बाद सर्दी के मौसम की शुरुआत होने पर यह नजारा बहुत मनभावन लगता है, जब दूर देशों से बड़ी संख्या में पक्षी जाड़ों के अपने इस आवास में लौटने लगते हैं। दशकों से मेनार 100 से अधिक स्थानीय और ठंडे इलाकों से पलायन करके आने वाले पक्षियों का अभयारण्य बना हुआ है। यहां आने वाले प्रमुख पक्षियों में फ्लेमिंगो,

पेलिकन, कूटस और लुप्त होने की कगार पर पहुंच चुका सारस क्रेन भी शामिल हैं। इन्हें देखने के लिए दूर-दूर से पक्षी प्रेमी यहां आते हैं।

ग्रामीणों की भूमिका महत्वपूर्ण: मेनार गांव की विशेषता केवल इसकी जैव-विविधता ही नहीं है बल्कि यहां के लोग भी हैं, जिनकी वजह से पक्षी संरक्षण संभव हो सका है। मेनार के लोगों का यहां आने वाले मेहमान पक्षियों से लगाव का सिलसिला लगभग दो शताब्दी पहले आरंभ हुआ था। मुझे स्थानीय लोगों ने ही बताया कि वर्ष 1832 में यहां की एक झील के किनारे किसी ब्रिटिश अधिकारी ने एक पक्षी को गोली मार दी थी। उससे नाराज ग्रामीणों ने तुरंत ही उस ब्रिटिश व्यक्ति को गांव से बाहर जाने पर मजबूर कर दिया। यह कहानी लोककथा बन गई और इसी ने मेनार के पक्षी प्रेम और संरक्षण की आधारशिला रखी। समय के साथ मेनार के लोगों ने अपने तालाबों (ब्रह्म तालाब, धंड तालाब और खेरोड़ा तालाब) को जीवंत वेटलैंड्स में बदल दिया। इनके प्रयास रंग लाए। मेनार को आधिकारिक तौर पर राजस्थान के पहले पक्षी गांव के रूप में मान्यता मिल गई और उसे रामसर साइट (अंतरराष्ट्रीय महत्व का वेट लैंड, जो जीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है) घोषित किया गया। मेनार को वर्ष 2023 में भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में भी शामिल किया गया।

जागरूक हैं स्थानीय निवासी: मेनार में पक्षियों को देखते हुए मेरी मुलाकात स्थानीय निवासी दर्शन मेनारिया से हुई, जो पक्षी-मित्र कहे जाते हैं। अपनी इस पहचान पर उन्हें गर्व है। हालांकि वह एक विद्यालय में अध्यापक

भी हैं। दर्शन कितना भी व्यस्त रहें, अगर उन्हें किसी पक्षी के चहचहाने की आवाज सुनाई पड़ती है तो वह पक्षियों के गीत सुनने में मगन हो जाते हैं। वे अपने छात्रों से भी कहते हैं कि पक्षियों के गीत को सुनो। जब छात्र पक्षी को देखेंगे और पहचानेंगे, तभी वे वास्तव में उनकी देखभाल करेंगे, उनके संरक्षण में अपना योगदान देंगे।

ऐसे किया जा रहा संरक्षण: मेनार में पक्षी संरक्षण केवल जागरूकता का विषय नहीं, वहां की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यहां धार्मिक रीति-रिवाजों का आयोजन झील के किनारों पर किया जाता है ताकि मानव और प्रकृति का संबंध मजबूत किया जा सके। यहां मछली पकड़ने और गर्मी में की जाने वाली खेती को स्थानीय लोगों ने अपनी इच्छा से बंद कर दिया है ताकि पक्षियों के ठहरने की जगहों को सुरक्षित रखा जा सके। झीलों से पानी भी बहुत कम निकाला जाता है। ग्रामीण अपनी जरूरतों के साथ पक्षियों की जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखते हैं।

सरकारी प्रयासों की बात करें, तो राजस्थान वन विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त पक्षी-मित्र हाथ में बाइनोक्यूलर्स (दूरबीन) लेकर सुबह-शाम को झीलों की निगरानी करते हैं। वे यहां आने वाले पक्षियों की गतिविधियों, पलायन पैटर्न को ऑब्जर्व करते हैं और खतरे की स्थिति में सावधान करते हैं। इस स्थानीय निगरानी ने न केवल सामान्य जलमुर्गियों को सुरक्षित रखने में मदद की है बल्कि उन प्रजातियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है।

बन चुकी है डॉक्यूमेंट्री फिल्म: फिल्म मेकर गुंजन मेनन ने मेनार की कहानी को अपनी अवॉर्ड-विनिंग डॉक्यूमेंट्री 'विंग्स ऑफ होप' (उम्मीदों के पर) में भी प्रस्तुत किया है। वह इसे 'विश्वसनीय नेतृत्व की कहानी' कहती हैं। इस फिल्म में उन्होंने बताया कि जमीनी प्रयासों से वह हासिल किया जा सकता है, जो अकसर बड़े पैमाने की नीतियों या बड़े बजट से नहीं मिलता।

बहरहाल, मेनार गांव देश ही नहीं, दुनिया भर के पक्षी प्रेमियों के लिए मिसाल बन गया है। *

जब करें घने कोहरे में ड्राइविंग
रखें इन बातों का खास ध्यान

सर्दी के मौसम में जब घना कोहरा छाया हो, तो विजिबिलिटी बहुत कम हो जाती है। ऐसे में ड्राइविंग बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। थोड़ी सावधानी और कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप धुंध वाले मौसम में भी सेफ ड्राइव कर सकते हैं।

सजगता

विवेक कुमार

हालांकि अभी बहुत अधिक ठंड नहीं हो रही है लेकिन आने वाले दिनों में इसमें इजाफा होगा। हाड़ कंपा देने वाली भीषण ठंड और घने कोहरे में वाहन चलाना बहुत चुनौती भरा काम होता है। देर रात में या पौ फटने से पहले सुबह के समय कोहरे के कारण जब विजिबिलिटी का स्तर कम हो जाता है, तब ड्राइविंग करना और मुश्किल होता है। ऐसे में अगर आपके लिए कहीं जाना बेहद जरूरी है और आप अपने वाहन से जा रहे हैं, तो घने कोहरे में सुरक्षित सफर के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

ड्राइविंग पर फोकस्ड रहें: ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन पर किसी से बात करना, बगल में या पीछे सीट पर बैठे व्यक्ति के साथ लगातार बात करना, म्यूजिक सुनना, इन

तमाम कामों से आपका फोकस ड्राइविंग से हट सकता है। घने कोहरे में अगर आप ड्राइविंग कर रहे हैं तो आपका ध्यान पूरी तरह ड्राइविंग पर ही केंद्रित रहना चाहिए। सामान्य दिनों में भी इस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए।

स्पीड कम रखें: कोहरे में गाड़ी बहुत धीमी गति में चलानी चाहिए। इससे दुर्घटना होने की आशंका तो कम होती ही है, किसी भी तरह की दुर्घटना होने पर नुकसान ज्यादा नहीं होता है। अपने आगे चलने वाले वाहन के बीच पर्याप्त गैप रखते हुए धीरे-धीरे ड्राइव करें। इससे आपको अचानक ब्रेक लगाने या गति बदलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कोहरे में गाड़ी ड्राइव करते समय अचानक अपनी लेन बदलने से भी बचें, क्योंकि विजिबिलिटी कम होने के कारण आपकी गाड़ी की गति और दिशा का अनुमान पीछे से आने वाले दूसरे वाहन का चालक नहीं लगा पाता है, इससे एक्सीडेंट की संभावना होती है।

सावधानी से गाड़ी मोड़ें: अगर आपको किसी मोड़ पर अपनी गाड़ी मोड़नी है तो अपनी गाड़ी की गति पहले से ही धीमी कर लें, क्योंकि कोहरे में बिल्कुल करीब की भी चीज दिखाई नहीं देती है। ऐसे में अगर गाड़ी मोड़ते समय गति तेज हुई तो दुर्घटना होने का डर रहता है। धुंध में ओवरटेकिंग करना बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि विजिबिलिटी बहुत कम होने से यह नहीं दिख पाता है कि आगे कोई वाहन है या नहीं और उसकी स्पीड कितनी है? इसलिए कोहरे में यथासंभव गाड़ी धीमे चलाएं और ओवर टेकिंग करने से बचें।

वाहन को रोक दें: यदि विजिबिलिटी बहुत ही कम हो, तो सड़क के किनारे सुरक्षित जगह पर गाड़ी को रोक कर थोड़ा कोहरा छंटने का इंतजार करना चाहिए। अपनी गाड़ी को जब सड़क पर किनारे खड़ा करें तो कार की हैजार्ड लाइट चालू रखें ताकि सड़क पर चलने वाले दूसरे वाहन आपकी कार को देख सकें और सुरक्षित तरीके से बगल से निकल जाएं।

विंडोज-विंड स्क्रीन को साफ रखें: घने कोहरे और ओस की बूंदों के कारण विंडोज और विंड स्क्रीन पर लगा सीसा बार-बार धुंधला हो जाता है। ऐसे में विजिबिलिटी और भी कम हो जाती है। इससे बचने के लिए बीच-बीच में वाइपर चलाते रहें। कार के हीटर ऑन कर वाहन के अंदर से ही इन

पर जमने वाली भाप को कम किया जा सकता है। अधिक दिक्कत होने पर गाड़ी से उतर कर साफ कपड़े से इन्हें साफ करना चाहिए।

रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं: अपनी कार के पीछे लाल रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाने से आपके पीछे चलने वाले वाहन को आपके वाहन की स्थिति पता चलती रहती है। इससे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और दुर्घटना की आशंका से भी बचा जा सकता है। *

नदी गाथा

वीना गौतम

महज जलधारा ही नहीं जम्मू की सांस्कृतिक आत्मा है तवी नदी

वैसे तो जम्मू-कश्मीर में कई मनोहारी झीलें और नदियां हैं। इन्हीं में से एक तवी नदी न केवल अपने प्रवाह सौंदर्य के लिए, अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक महत्ता और अपनी गोद में समेटे जैव विविधता के लिए भी जानी जाती है।

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदियों के किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं और संस्कृतियां फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति आम लोगों की उदासीनता के चलते धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसलिए नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ियों को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती पर इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फलती-फूलती रहे। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण और सुंदर नदी तवी, जम्मू शहर से होकर प्रवाहित होती है। जैसे किसी जीवंत शरीर में हृदय धड़कता है, वैसे ही जम्मू के लिए तवी की निरंतर बहती धारा है। यह नदी महज पानी की धार नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक पहचान का आधार स्तंभ है। स्थानीय डोगरा समाज में तवी को सूर्य पुत्री कहा जाता है यानी, एक ऐसी बेटी, जिसे सूर्य देव से जीवन मिला हो। यही उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का आधार माना जाता है।

नदी का उद्भव और प्रवाह: तवी नदी शिवालिक पर्वतों की गोद से जन्मती है। सुधमाह महादेव के निकट डोडा जिले के कैलाश कुंड ग्लेशियर से इसका उद्गम माना जाता है।

तवी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू का मनोरम दृश्य

4,220 मीटर की ऊंचाई से उतरकर यह नदी 141 किलोमीटर का सफर तय करके अखनूर के पास चिनाब नदी में मिल जाती है। अपने प्रवाह में यह पहाड़ी पत्थरों, झाड़ियों, घास के मैदानों और घाटियों को चीरते हुए आगे बढ़ती है। तवी नदी का प्रवाह इसे एक युवा नदी के रूप में दर्शाता है। क्योंकि इसका प्रवाह तेज, पथरीला और जल स्वच्छ होता है। गर्मियों में चूंकि हिमालय में बर्फ पिघलती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसमें पानी बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में नदी शांत और सक्रिय हो जाती है। इन दोनों मौसमों के विपरीत मानसून के आते ही तवी का शक्तिशाली और प्रचंड रूप देखने को मिलता है।

पौराणिक-धार्मिक महत्ता भी है बहुत: तवी का स्थान केवल भूगोल में ही महत्वपूर्ण नहीं है, पौराणिक आख्यानों और लोक-साहित्य में भी यह रची बसी है। सूर्य पुत्री कही जाने वाली तवी की मान्यता, डोगरा राजवंश के इतिहास की सांस्कृतिक धुरी मानी जाती है। जम्मू का प्रतिष्ठित बहू-किला इसी नदी के किनारे स्थित है। इसी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू बागीचा, महामाया मंदिर और उसके पास की घाटियां, तवी को सौंदर्य की देवी का दर्जा देती हैं। तवी की वजह से ही ये स्थल इस शहर की आकर्षक धरोहरों में शामिल हैं। प्राचीन मंदिरों, धार्मिक अनुष्ठानों में भी तवी नदी की भूमिका हमेशा रही है। डोगरा राज परिवार के संस्कार, पूजा-तीर्थ, अर्पण और पितृ श्रद्धा इसी नदी के तट पर संपन्न होती है। छठ पर्व, मकर संक्रांति, डोगरा मेलों और विशेष पूजा अर्चनाओं का केंद्र तवी नदी के तट ही होते हैं। शिवरात्रि में यहां विशेष उत्सव संपन्न होता है। डोगरी लोकगीतों में बार-बार तवी नदी का जिक्र आता है। यहां एक उक्ति बहुत प्रचलित है, 'तवी दे पाणियां वर्गे, सच्चे ने जम्मू दे लोग।' यानी तवी के पानी की तरह ही जम्मू के लोगों का मन भी निर्मल है। तवी जम्मू की आत्मा है। इसके रिवर फ्रंट, घाटों और हरित पट्टियों के माध्यम से यह नदी एक सांस्कृतिक स्थल के रूप में पुनर्जीवित हो रही है।

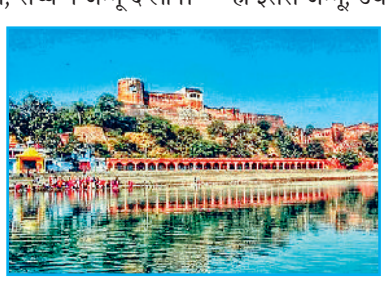

अखनूर फोर्ट के पास से प्रवाहमान तवी नदी

मौजूद है समृद्ध जैव विविधता: सिर्फ संस्कृति ही नहीं जम्मू क्षेत्र के पर्यावरण का भी मूल आधार तवी नदी ही है। इसकी घाटी में समृद्ध जैव विविधता पाई जाती है। देवदार, चीड़, शीशम, क्राप, पॉपुलर तथा अनेक औषधीय पेड़ इसके किनारे पनपते हैं और इसको समृद्ध वनस्पति स्थल बनाते हैं। इसी तरह तवी घाटी में हिमालयी लंगूर, पहाड़ी लोमड़ी, जंगली बिल्ली और काला भालू जैसे जीव जंतु भी पाए जाते हैं। इनके अलावा यहां किंग फिशर, उल्लू, बगुले, पहाड़ी गौरैया जैसे पक्षी इसकी जैव विविधता की गाथा कहते हैं। इसी में ट्राउट, महाशीर और क्रॉप जैसी मछलियों की भी उपस्थिति इसे खास बनाती है।

कई तरह से है उपयोगी: तवी का तेज प्रवाह इसका पथरीला तल इसे देश की दूसरी नदियों की अपेक्षा बेहद स्वच्छ रखता है। यह चिनाब की प्रमुख सहायक नदी है और सिंध प्रणाली में जल उपलब्धता बढ़ाने पर अपना योगदान देती है। इसके तलों पर उगने वाली घास और वृक्ष, नदी के कटाव को रोकते हैं और जैविक स्थिरता बनाए रखते हैं। शहर के मध्य से गुजरते समय इसका घुमावदार प्रवाह बहुत आकर्षक लगता है। यह जम्मू शहर के पेय जल की प्रमुख स्रोत है। साथ ही इससे जम्मू, उधमपुर और अखनूर जिलों की कृषि भूमि सिंचित होती है।

चुनौतियां हैं कई: हर नदी की तरह तवी के भी कुछ संकट हैं, जैसे शहर का बहने वाला नाला, कचरा और सीवेज इसे बीमार बनाता है। अवैध रेत खनन इसे घायल करता है और शहरीकरण का बढ़ता बोझ इसके विस्तार को छीनता जा रहा है, जो इसके जलस्तर में कमी का प्रमुख कारण बनता है। तवी महज एक नदी नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, भौगोलिक और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे इतिहास की धड़कन और संस्कृति की आत्मा कहते हैं। जम्मू शहर की इस पहचान को संरक्षित किया जाना बहुत आवश्यक है। *

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

श्याम बेनेगल की 'अंकुर' में दिखा जीवन यथार्थ

बिमल रॉय की यथार्थपरक फिल्म 'दो बीघा जमीन'

जीवन-समाज की सच्चाई दिखाता यथार्थपरक समानांतर सिनेमा

फिल्म निर्माण के शुरुआती दिनों से ही फिल्मकारों ने जीवन और सामाजिक यथार्थ को अपनी फिल्मों का विषय बनाना शुरू कर दिया था। हालांकि यह सामाजिक यथार्थ, पैरेलल सिनेमा में देखने को मिलता है। समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने वाले फिल्मकारों और हिंदी सिनेमा में इस ट्रेंड पर एक नजर।

भारतीय सिनेमा में यथार्थवाद की झलक बहुत पुरानी बात है। ऐसी फिल्मों की नींव सन 1920 से 30 के दशक में ही पड़ गई थी, जब 1925 में बाबूराव पेंटर ने अपनी मूक फिल्म 'सावकारी पाश' बनाई, जिसमें वी. शांताराम ने गरीब किसान का किरदार निभाया था। वह किसान अपनी जमीन एक साहूकार को देने के लिए मजबूर हो जाता है और गांव छोड़कर शहर में मिल मजदूर बन जाता है। इसे भारत की पहली समानांतर फिल्म माना जाता है। साल 1937 में महिलाओं की दुर्दशा पर बनी फिल्म 'दुनिया ना माने' को भी समानांतर फिल्म की श्रेणी में ही रखा जाता है। समानांतर सिनेमा यानी पैरेलल सिनेमा को 'आर्ट सिनेमा' या 'नया सिनेमा' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि हमारा समानांतर सिनेमा इटैलियन न्यू रियलिज्म, फ्रांस के फ्रेंच न्यू वेव और जापान के न्यू वेव सिनेमा से प्रभावित रहा है।

समानांतर सिनेमा ने ली नई करवट: शुरुआती 1920-30 के दशक में भले ही समानांतर सिनेमा बनाने के कुछ प्रयोग किए गए, लेकिन तब ये परंपरा कुछ खास आगे नहीं बढ़ सकी। सन 1940 से 1960 के दशक में समानांतर सिनेमा ने फिर से करवट ली। इस दौर में सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक, बिमल राय, मृणाल सेन, ख्वाजा अहमद अब्बास, चेतन आनंद, वी. शांताराम जैसे दिग्गज फिल्मकारों ने इसे पल्लवित किया। इनकी फिल्मों पर साहित्य की गहरी छाप देखने को मिलती है। चेतन आनंद ने 1946 में 'नीचा नगर' जैसी बेहतरीन फिल्म बनाई। कान फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म को 'ग्रांड प्रिक्स डू फेस्टिवल' पुरस्कार मिला। इस तरह कान फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी-'नीचा नगर'। समानांतर फिल्मों की इस परंपरा को श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी, अदूर गोपालकृष्णन, गिरीश कासरवल्ली, मृणाल सेन, ऋत्विक घटक जैसे फिल्मकारों ने आगे बढ़ाया।

दिखता है जीवन का यथार्थ: समानांतर सिनेमा में जीवन और समाज का यथार्थ बहुत गहराई से दिखाया जाता रहा है। यह हिंदी सिनेमा का वह पक्ष है, जिसमें आम आदमी के जीवन की जद्दोजहद, सामाजिक असमानता और बदलाव को दर्शाया जाता है। फिल्मों के कथानक में यथार्थ को पूरी शिद्दत के साथ प्रस्तुत करने का यह चलन 1950 के दशक में पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ और बाद में इसे हिंदी समेत हर भाषा के सिनेमा ने अपनाया। इसका मकसद जीवन के कठोर यथार्थ, समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों, दलितों, महिलाओं और गरीबों की समस्याओं को दर्शकों के सामने लाना रहा, जिससे दर्शक खुद को जुड़ा महसूस करे। इन फिल्मों की यथार्थ परक कहानियां, आम लोगों की सामाजिक और आर्थिक जिंदगी से जुड़ी होती हैं। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, शहरी-ग्रामीण भेद, आर्थिक विषमताएं, जातिगत भेदभाव, स्त्री-पुरुष संबंध, नारी सशक्तिकरण जैसे मुद्दे समानांतर सिनेमा की पहचान रहे हैं। ये फिल्में पारंपरिक सिनेमा की तरह मनोरंजन या सपनों की दुनिया पर नहीं, बल्कि समाज की सच्चाइयों को विषय वस्तु बनाकर, बदलाव और सवाल उठाए जाने पर बल देती हैं। समानांतर सिनेमा का मकसद दर्शक को यथार्थ के करीब लाना और सांस्कृतिक-सामाजिक बदलाव की चेतना को जगाना रहा है। ये फिल्में भारतीय समाज के आइने का काम करती हैं।

दिखाई जाती है सामाजिक त्रासदी: समानांतर सिनेमा को जीवन का यथार्थ कहा जरूर जाता है, लेकिन यह आधा सच ही है। क्योंकि समानांतर सिनेमा का कैमरा हमेशा दमित और शोषित वर्ग पर ही फोकस होता रहा है। जबकि सिर्फ दमन और शोषण ही समाज का यथार्थ नहीं है। समाज के यथार्थ में खुशी और गम दोनों शामिल होते हैं। केवल त्रासदी और नकारात्मकता को ही समाज का यथार्थ नहीं माना जा सकता। यदि समाज के यथार्थ में जीवन के सभी पक्षों को शामिल किया जाए, तो ही समानांतर सिनेमा को यथार्थवादी सिनेमा कहना ज्यादा उचित होगा। यदि इसमें 'अंकुर' जैसी फिल्म शामिल है तो 'हम साथ साथ है' को भी शामिल किया जा सकता है।

इन फिल्मकारों का रहा बड़ा योगदान: समानांतर और यथार्थपरक फिल्मों की बात करें, तो इस परंपरा को समृद्ध करने में कई फिल्मकारों का बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1953 में आई बिमल रॉय की 'दो बीघा जमीन' ने समीक्षकों की प्रशंसा के साथ व्यावसायिक सफलता प्राप्त की थी। इसके बाद बिमल रॉय ने 'बिराज बहू', 'देवदास', 'सुजाता' और 'बंदिनी' जैसी यथार्थपरक फिल्में बनाईं। ऐसी फिल्में बनाने वाले फिल्मकारों में गुरुदत्त भी थे। उनकी फिल्म 'प्यासा' को हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म माना जाता है। अमेरिका की 'टाइम' पत्रिका ने इसे 'ऑल टाइम बेस्ट 100 फिल्म्स' में जगह दी है। समानांतर सिनेमा की नई शुरुआत 1969 में मृणाल सेन की फिल्म 'भुवन सोम' से माना जाता है। ऐसे ही श्याम बेनेगल 1973 में 'अंकुर' बनाकर समानांतर सिनेमा के नवसृजन के प्रमुख हस्ताक्षर बने। सन 1976 में मृणाल सेन ने 'मृगया' बनाई, जो मिथुन चक्रवर्ती की पहली फिल्म थी। श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'मंथन' और 'भूमिका', मणि कौल की 'उसकी रोटी' और 'दुविधा'। सत्यजीत रे की 'पाथेर पांचाली', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'सद्गति'। इन सभी फिल्म मेकर्स का समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। *